epaper.dehatsandesh.com

3 युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया

5 मनिका बत्रा की टीम एशिया ने पहला वाल्डनर कप 2024 जीता

8 गोबर की ह्यलकड़ी बनाने का व्यवसाय

न्यूनतम 6 मौसम जम्मू अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

# देहात संदेश

वर्ष-21, जम्मू तवी, अंक-302 जम्मू तवी, बुधवार 18 दिसम्बर, 2024 मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये पृष्ठ -8

## कांग्रेस ने संविधान को भी निजी जागीदारी समझा: अमित शाह

**नई दिल्ली, 17 दिसंबर** । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में संविधान पर हुई चर्चा में कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कभी भी संविधान और संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर का सम्मान नहीं किया और साथ ही आरक्षण एवं धर्मनिरपेक्षता का ही सम्मान रखा। पार्टी ने संविधान को भी निजी जागीदारी समझा और आज केवल वोट पाने के लिए संविधान लहराती है और आरक्षण की बात करती है।

संविधान के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा के तहत सोमवार और मंगलवार को राज्यसभा में चर्चा हुई। इस चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि कांग्रेस पार्टी ने देश में 55 साल राज किया और 77 संविधान संशोधन किये जबकि भारतीय जनता पार्टी ने 16 साल राज किया और 22 बार संविधान को संशोधित किया। कांग्रेस का जहां संविधान संशोधन के पीछे उद्देश्य अपनी सत्ता और वोट बैंक को बचाना था वहीं भारतीय जनता पार्टी का उद्देश्य एकता बढ़ाना और पिछड़ों को

आगे लाना रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, स्वामी विवेकानंद जी और महर्षि अरविंद जी की भविष्यवाणी आज सच हो रही हैं। भारत माता अपने दिव्यमान और ओजस्वी स्वरूप में खड़ी हैं और पूरी दुनिया उसकी अद्भुत शक्ति एवं प्रगति को देखकर चकित रह गई है।

गृह मंत्री ने इस दौरान कांग्रेस की ओर से लाए गए कुछ संविधान संशोधनों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इसमें अभिव्यक्ति की आजादी छीनी गई। प्रधानमंत्री को न्यायिक जांच से बाहर किया गया, देश की विधानसभा का कार्यकाल 5 से 6 साल किया गया और राष्ट्रपति शासन की अवधि बढ़ाई गई। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने अपने संविधान संशोधनों में वस्तु एवं सेवा कर लाए, पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया, ओबीसी से जुड़े अधिकार राज्यों को दिए गए और मातृशक्ति को आरक्षण देने का काम किया गया।

उन्होंने कहा कि संविधान लहराने का विषय नहीं बल्कि सम्मान का विषय है और नरेंद्र मोदी ने संविधान का सम्मान किया है। इंदिरा गांधी और कांग्रेस ने संविधान पर कुठारागत किया। उन्होंने कहा, संविधान को लहराकर और झूठ बोलकर कुत्सित प्रयास कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने किया। संविधान लहराने और बहकाने का मुद्दा नहीं है, संविधान विश्वास है, संविधान श्रद्धा है।संविधान को परिवर्तनशील बताते हुए शाह ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समय के साथ-साथ देश भी बदलना चाहिए, कानून भी बदलने चाहिए और समाज को भी बदलना चाहिए। परिवर्तन ही जीवन का मंत्र है। इसको हमारे संविधान सभी ने स्वीकार किया था। इसलिए अनुच्छेद 368 में संविधान संशोधन के लिए प्रावधान किया गया था। अभी कुछ राजनेता आए हैं और 54 साल की आयु में अपने आप को युवा कहते हैं और घूमते रहते हैं कि संविधान बदल देंगे, संविधान बदल देंगे। मैं उनको कहना चाहता हूं कि संविधान के प्रावधानों को बदलने का प्रोविजन आर्टिकल 368 के अंदर संविधान में ही है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश की भौगोलिक रूपरेखा से जुड़े संविधान के आर्टिकल एक में संशोधन किए बिना ही एक समझौते के तहत कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को दे दिया।

## किसानों को कीटनाशकों से होने वाले स्वास्थ खतरों से बचाने के लिए 'किसान कवच' लॉन्च

**नई दिल्ली, 17 दिसंबर**। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को भारत का स्वदेशी कीटनाशक रोधी सूट किसान कवच लॉन्च किया। किसान कवच किसानों को कीटनाशकों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाएगा। इसकी कीमत चार हजार रुपये है और इसे 150 बार धोया जा सकता है। यह कवच लगभग दो साल तक चलेगा।यह कवच खास कपड़े और तकनी से बना है सूट है।

नेशनल मीडिया सेंटर में आयोजित लॉन्च कार्यक्रम में मीडिया को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने कुछ किसानों को किट दिए।

इस मौके पर केन्द्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि यह कवच किसानों को बीमारियों से बचाएगा। यह प्रीवेंटिव तकनीक है। इसकी कीमत अभी 4 हजार रुपये है लेकिन आने वाले दिनों में इसकी कीमत में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि किसानों के स्वास्थ्य के लिए यह कवच उनके लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

उल्लेखनीय है कि किसान कवच किट को बेंगलुरू की कंपनी बीआरआईसी इंस्टेम ने सेपियो हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से

विकसित किया है। कीटनाशक रोधी बॉडीसूट किसान कवच किसानों को कीटनाशकों से होने वाले स्वास्थ खतरों से बचाने में मदद करेगा। कंपनी की ओर से कहा गया है कि किसान कवच अपनी श्रेणी की पहली तकनीक है। इस बॉडीसूट में ऐसे कपड़े और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक कीटनाशक को शरीर में जाने से रोकता है और खतरनाक तत्वों को नष्ट कर देता है। किसान देश में लगभग 65 फीसदी लोग सीधे कृषि और इससे जुड़ी गतिविधियों में लगे हुए हैं। भारत और विकासशील देशों के किसान खेतों में छिड़काव करते समय त्वचा और नाक के रास्ते जहरीले कीटनाशकों के संपर्क में आते हैं। कीटनाशकों में न्यूरोटॉक्सिन होते हैं, जो ह्यूमन बॉडी को खतरनाक बीमारियों से ग्रसित कर देते हैं। इससे बुखार, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, सांस लेने में दिक्कत, देखने में दिक्कत जैसे खतरे देखने को मिलते हैं।

## कुख्यात ड्रग तस्कर का 10.5 लाख रुपये का वाहन जब्त

**जम्मू, 17 दिसंबर**।। मादा पदार्थों की तस्करी के खिलाफ करवाई करते हुए हंदवाड़ा में पुलिस ने 10.5 लाख रुपये मूल्य की एक हुंडई वेन्यू (पंजीकरण संख्या छ्व्य01अ-4651) जब्त की जो कथित तौर पर अवैध मादक पदार्थों की तस्करी गतिविधियों से प्राप्त आय का उपयोग करके खरीदी गई थी। यह वाहन कुख्यात ड्रग तस्कर जावीद अहमद सोफी पुत्र अब रज्जाक सोफी निवासी खुनबल हंदवाड़ा, जिला कुपवाड़ा का था।

यह कार्रवाई एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 68 (एफ) (1) के तहत की गई और यह दवा से संबंधित कई मामलों से जुड़ी है, जिसमें एफआईआर संख्या 193/2024, एफआईआर संख्या 266/2022 और एफआईआर संख्या 101/ शामिल हैं। जांच के दौरान वाहन की पहचान अवैध रूप से अर्जित संपत्ति के रूप में की गई जिसे मादक दवाओं और मनोदैहिक पदार्थों की अवैध तस्करी की आय से खरीदा गया था।

पुलिस ने क्षेत्र में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और तस्करी को खत्म करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। स्थानीय समुदायों ने मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने में पुलिस के प्रयासों का समर्थन किया।

## जम्मू-कश्मीर में कड़ाके की ठंड जारी

**जम्मू, 17 दिसंबर**। जम्मू-कश्मीर में कड़ाके की ठंड जारी है। घाटी में पारा लगातार हिमांक बिंदु से नीचे बना हुआ है। इस दौरान चल रही शीत लहर भी लोगों के जनजीवन को अस्त व्यस्त कर रही है। लोग काम पड़ने पर ही अपने घरों से बाहर निकल रहे हैं और शाम जल्द ही घर वापिस आने की कोशिश करते हैं।

पिछले दिनों जम्मू कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में पड़ी बर्फ के कारण सर्द हवाओं का दौर जारी है। जम्मू में बारिश न होने के कारण बिमारियों ने लोगों को जकड़ लिया है। बारिश न होने का प्रभाव फसलों पर भी पड़ रहा है। जम्मू में सुबह और शाम को ठंड का प्रकोप बहुत अधिक है। रोजाना धूप तो निकल रही है लेकिन साथ ही चल रही सर्द हवाएं धूप की तपिश को कम कर देती हैं और दोपहर होते ही हल्के बादल आसमान को घेर लेते हैं और मौसम दिन में ही काफी सर्द हो जाता है। मंगलवार को भी सुबह से ही जम्मू में धूप निकली है लेकिन शीत लहर लोगों को परेशान भी कर रही है। सुबह सवेरे अपने घरों से निकलने वाले लोगों को इससे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

## राज्य का दर्जा बहाल करने को लेकर आज अमित शाह से मिल सकते हैं उमर

**श्रीनगर, 17 दिसंबर**। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर राज्य का दर्जा जल्द बहाल करने सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। केंद्र शासित प्रदेश के मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के बाद से उमर की गृह मंत्री से यह दूसरी मुलाकात होगी।

सूत्रों से पता चलता है कि उमर जिन्हें अपनी पहली बैठक के दौरान सकारात्मक आश्वासन मिला था, इस बात को लेकर आशावादी हैं कि केंद्र सरकार जल्द से जल्द राज्य का दर्जा

बहाल करने के अपने वादे को पूरा करेगी।

हालांकि केंद्र सरकार ने राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का बार-बार आश्वासन दिया है लेकिन उसने अभी तक इसके लिए कोई ठोस समयसीमा नहीं बताई है।

राज्य के दर्जे के अलावा, उमर गृह मंत्री के साथ अपनी बैठक के दौरान दोहरे नियंत्रण के प्रशासनिक मुद्दों के बारे में भी चिंता जता सकते हैं।

सत्ता में दो महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जम्मू-कश्मीर में कामकाज के नियम (टीबीआर) नहीं हैं जो निर्वाचित सरकार की शक्तियों और विभिन्न विभागों और प्रशासनिक मामलों पर उसकी शक्ति को परिभाषित करते हैं।

कारोबार के नियमों की अनुपस्थिति उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली निर्वाचित सरकार और उपराज्यपाल के नेतृत्व वाले प्रशासन के बीच टकराव पैदा कर रही है।

## जम्मू-कश्मीर में डीडीसी की तीन सीटें खाली, सदस्य चुने गए विधायक 'उपचुनाव की घोषणा अभी तक नहीं

**श्रीनगर, 17 दिसंबर** । जम्मू-कश्मीर में जिला विकास परिषद (डीडीसी) की तीन सीटें खाली रह गई हैं क्योंकि उनके सदस्य विधानसभा सदस्य (एमएलए) चुने गए हैं। विधायक चुने गए तीन डीडीसी सदस्यों में वहीद उर रहमान पारा शामिल हैं, जो पुलवामा-1 से डीडीसी सदस्य चुने गए थे लेकिन उन्हें डीडीसी सदस्य के रूप में शपथ लेने की अनुमति नहीं दी गई थी। इरफान हाफिज लोन जो संग्रामा से डीडीसी सदस्य चुने गए थे और मेहराज मलिक जो कहरा से डीडीसी सदस्य चुने गए थे। वहीद उर रहमान पारा ने पुलवामा से विधानसभा चुनाव जीता, लोन ने वागूरा-क्रीरी निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की और मेहराज मलिक ने डोडा विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल की।विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित हुए करीब दो महीने हो चुके हैं लेकिन अधिकारियों ने अभी तक इन तीन सीटों के लिए उपचुनाव की घोषणा नहीं की है। डीडीसी चुनाव जम्मू और कश्मीर पंचायती राज अधिनियम, 1989 के हिस्से के रूप में पेश किए गए थे जिसे भारत सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) में त्रिस्तरीय शासन प्रणाली स्थापित करने के लिए संशोधित किया था।

जम्मू-कश्मीर में पहली बार डीडीसी चुनाव नवंबर-दिसंबर 2020 में आठ चरणों में हुए थे। ये चुनाव ऐतिहासिक थे क्योंकि अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर के दो अलग-अलग केंद्र शासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख- में पुनर्गठन के बाद यूटी में पहली महत्वपूर्ण चुनावी कवायद थी।

## हेरोइन के साथ दो व्यक्ति गिरफ्तार

**जम्मू, 17 दिसंबर** । राजौरी जिले में पुलिस ने 11 ग्राम हेरोइन जैसे पदार्थ के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि पुलिस स्टेशन राजौरी की एक टीम ने नाका प्वाइंट सलानी पर नियमित जांच और तलाशी के दौरान दो व्यक्तियों को संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते हुए पकड़ा। नाका पार्टी ने दोनों व्यक्तियों को हिरासत में लिया और उनकी व्यक्तिगत तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 18 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान, उन्होंने अपनी पूरी पहचान वनीत स्याल पुत्र ओम प्रकाश निवासी अंद्रोला ए/पी वार्ड नंबर 04, सलानी और सौरव कुमार पुत्र राजिंदर कुमार निवासी मुरादपुर के रूप में बताई। इस संबंध में पुलिस स्टेशन राजौरी में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8, 21, 22 और 29 के तहत मामला एफआईआर नंबर 544/2024 दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है।

## कश्मीर विश्वविद्यालय में 1 जनवरी से 23 फरवरी तक शीतकालीन अवकाश

**श्रीनगर, 17 दिसंबर**। कश्मीर विश्वविद्यालय अपने मुख्य और साथ ही अपने उपग्रह परिसरों के लिए 1 जनवरी से 23 फरवरी 2025 तक शीतकालीन अवकाश की घोषणा करेगा।रजिस्ट्रार कश्मीर विश्वविद्यालय प्रो. नसीर इकबाल ने कहा कि शीतकालीन अवकाश की घोषणा की तारीखों को अंतिम रूप दे दिया गया है।

## मेंढर के जंगलों में लगी भीषण आग

**पुंछ 17 दिसंबर** । जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले की मेंढर तहसील के उछाद के जंगलों में भीषण आग लग गई है।

अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि भीषण आग ने लगभग 2 किमी के वन क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया और बड़ी मात्रा में पेड़ों को नुकसान पहुँचा है। अधिकारियों के अनुसार स्थानीय लोगों ने वन विभाग, वन्यजीव विभाग, सेना और पुलिस की टीमों के साथ तुरंत आग पर काबू पाने का अभ्यास शुरू किया। उन्होंने कहा कि आग पर देर रात तक काबू नहीं पाया जा सका क्योंकि यह एक बड़े क्षेत्र में फैल गई थी।

## भर्ती में भेदभाव का आरोप लगाते हुए छात्रों ने निकाला विरोध मार्च

**जम्मू, 17 दिसंबर** । जम्मू-कश्मीर सरकार पर हिंदी और संस्कृत के साथ भर्ती में भेदभाव का आरोप लगाते हुए एबीवीपी के नेतृत्व में सैकड़ों छात्रों ने मंगलवार को विरोध मार्च निकाला और जम्मू राजमार्ग पर मुख्य तवी पुल को अवरुद्ध करते हुए धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली सरकार पर जम्मू और कश्मीर लोक सेवा आयोग द्वारा 1052 लेक्चरर पदों के लिए हाल ही में जारी की गई भर्ती अधिसूचना में हिंदी और संस्कृत को दरकिनार करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार अरबी और फारसी जैसी विदेशी भाषाओं को बढ़ावा दे रही है जिन्हें भर्ती अधिसूचना में शामिल किया गया है। तख्तियां लेकर और नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने जम्मू विश्वविद्यालय से शहर के माध्यम से मार्च किया जिसे

उन्होंने क्षेत्रीय और भाषाई भेदभाव के रूप में वर्णित किया। एबीवीपी नेता सुरिंदर सिंह ने कहा कि यह वर्तमान सरकार द्वारा क्षेत्रीय और भाषाई भेदभाव है। हिंदी और संस्कृत जैसी राष्ट्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने के बजाय उन्हें जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है। ये भाषाएं हमारी पहचान का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि हम किसी भाषा के खिलाफ नहीं हैं लेकिन सरकार द्वारा हिंदी और संस्कृत की जगह अरबी और फारसी जैसी विदेशी भाषाओं को प्राथमिकता देना एक सुनियोजित साजिश है। यह हमारी सभ्यता पर हमला है और हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। एबीवीपी नेता अनीता देवी ने भी इसी तरह की भावनाओं को दोहराते हुए कहा कि यह सिर्फ भर्ती के बारे में नहीं है, यह हमारी सांस्कृतिक पहचान की लड़ाई है। प्रदर्शनकारी छात्रों ने 12 नवंबर को जेकेपीएससी द्वारा जारी नोटिस में हिंदी और संस्कृत व्याख्याता पदों को छोड़ देने पर निराशा व्यक्त की जबकि 575 अन्य शिक्षण पदों के लिए विज्ञापन दिया गया था।

## जीवंत खेल पारिस्थितिकी तंत्र हमारे युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा कर रहा है : सिन्हा

**जम्मू 17 दिसंब।** उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने प्रो. चमन लाल गुप्ता खेल रत्न पुरस्कार 2024 समारोह को संबोधित किया और प्रतिष्ठित खेल पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को सम्मानित किया। उपराज्यपाल ने प्रो. चमन लाल गुप्ता को श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने इस वर्ष के पुरस्कार से सम्मानित होने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों और खेल अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा, "आज सम्मानित होने वाले सभी खिलाड़ी जम्मू-कश्मीर में हो रहे सकारात्मक बदलाव के जीवंत प्रतीक हैं। मुझे विश्वास है कि वे अपने प्रदर्शन के माध्यम से देश के लिए गौरव अर्जित करने के लिए समर्पण के साथ काम करेंगे और युवा पीढ़ी को प्रेरित करना जारी रखेंगे।" प्रोफेसर चमन लाल गुप्ता को याद करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अपना जीवन जम्मू कश्मीर के लोगों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश ने जो तेजी से विकास देखा है, वह उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि है।

खेल सकारात्मक बदलाव के लिए एक शक्तिशाली साधन है और इसने हमेशा विभिन्न संस्कृतियों के लोगों को जोड़ने के लिए एक सेतु का काम किया है। आज, जम्मू-कश्मीर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों के केंद्र के रूप में उभर रहा है। अत्याधुनिक खेल बुनियादी ढांचे और संबद्ध सुविधाओं और युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने पर हमारे नए जोर ने जम्मू-कश्मीर के खेल क्षेत्र में क्रांति ला दी है।

उपराज्यपाल ने माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में, जम्मू-कश्मीर के उभरते खिलाड़ियों को मंच और आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

## व्हिप के बावजूद 20 से ज्यादा सांसद गैरहाजिर, नोटिस भेजेगी भाजपा

**नई दिल्ली, 17 दिसंबर** । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पार्टी के उन 20 से अधिक सांसदों को नोटिस भेजने का फैसला किया है जो लोकसभा में वन नेशन वन इलेक्शन (ओएनओई) विधेयक पेश करने पर मतदान के दौरान अनुपस्थित थे। पार्टी ने सांसदों को उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया था। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा लोकसभा में पेश किए जाने के बाद तीखी बहस के बाद इस विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेज दिया गया है। एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था बताने वाले दो विधेयक जैसे ही लोकसभा में पेश किए गए, विपक्ष ने इसे %तानाशाही% कदम करार दिया। हालाँकि, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि यह कानून राज्यों को प्राप्त शक्तियों से छेड़छाड़ नहीं करेगा।

लगभग 90 मिनट की बहस और उसके बाद मत विभाजन के बाद मेघवाल ने संविधान (129वां संशोधन) विधेयक पेश किया। विधेयक के पक्ष में 269 और विरोध में 198 सदस्यों ने मतदान किया। मेघवाल ने केंद्र शासित प्रदेश संशोधन विधेयक भी पेश किया, जो पुडुचेरी, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेशों में चुनावों को लोकसभा चुनावों के साथ संरेखित करने का प्रयास करता है। मेघवाल ने कहा कि न्यायिक समीक्षा, संविधान का संघीय चरित्र, शक्तियों का पृथक्करण, धर्मनिरपेक्ष चरित्र, संविधान की सर्वोच्चता जैसे सिद्धांत नहीं बदले हैं, उन्होंने कहा कि विधेयक पर आपत्तियां राजनीतिक प्रकृति की थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर स्तर पर व्यापक विचार-विमर्श के लिए विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को सौंपने का समर्थन किया था।

## युवा डॉक्टरों को ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्रों में देनी चाहिए सेवा : राष्ट्रपति

**मंगलागिरी, 17 दिसंबर** । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को गुंटूर जिले के मंगलगिरी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने सुझाव दिया कि युवा डॉक्टरों को ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में भी चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने को लेकर प्राथमिकता देनी चाहिए।

राष्ट्रपति ने एम्स के प्रथम बैच के 49 एमबीबीएस छात्रों को डिग्री प्रदान की। राष्ट्रपति ने कहा कि मेडिकल करियर चुनकर छात्रों ने मानवता की सेवा का रास्ता चुना है। आपके पास लोगों की जान बचाने और उनके स्वास्थ्य में सुधार करने का एक अमूल्य अवसर होगा। आप जैसे युवा

डॉक्टरों को ग्रामीण, आदिवासी और दूरदराज के क्षेत्रों के लोगों की सेवा करने को प्राथमिकता देनी जानी चाहिए। कार्यक्रम में राज्यपाल अब्दुल नजीर, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू बाबू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण भी मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि राज्य सरकार एम्स के विकास के लिए पूरा सहयोग देगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नवीनतम तकनीक का दावा करने वाला मंगलगिरी एम्स देश में प्रथम स्थान पर रहेगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मंगलगिरी एम्स के लिए 10 एकड़ जमीन और आवंटित की जा रही है।

# गर्दन की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए अपनाएं ये 8 टिप्स

सुन्दर दिखने की चाह हर किसी को होती है। सौन्दर्य में जहां एक ओर चेहरे की सुंदरता का महत्व है, वहीं गर्दन का महत्व भी कम नहीं मना जाता। अगर आपकी सुराहीदार गर्दन हो तो वह आपकी सुंदरता में चार चांद लगा देती है। पर

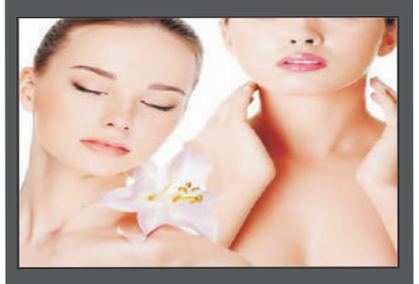

अगर गर्दन की सफाई समय पर न की जाए तो यह आपकी सुंदरता को कम कर देती है। गर्दन पर उम्र का प्रभाव बहुत जल्दी पडता हैं, जिसके कारण समय से पहले ही झुर्रियां, काली-मैली और स्किन के रंग में फर्क साफ देखाई देने लगता हैं। वहीं दूसरी ओर गर्दन बेडौल हो जाने की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। इसलिए गर्दन की भी उसी प्रकार से देखभाल करनी चाहिए जैसे चेहरे की जाती है।

1. नींबू के बीज निकाल कर कच्चे दूध में डुबो-डुबो कर मैली गर्दन पर रगडें। इससे गर्दन की मैल दूर हो जाएगी।

2. हफ्ते में 2-3 बार पपीते के गूदे से मसाज करने से गर्दन की स्किन पर निखार आता है और साथ ही झुर्रियां भी दूर होती है। 3. अंडे की सफेदी में थोडा सा नीबू का रस मिलाकर अच्छी तरह से फेट लें। इसे गर्दन पर 15 मिनट तक लगा रहने दें। इसके बाद धो लें। यह गर्दन का कालापन दूर करता है।

4. 30-35 साल की महिलाएं गर्दन की झुर्रियों से परेशान हैं, तो उन्हें दूर करने के लिए सबसे आसान तरीका है कि सप्ताह में एक बार अंडे की जर्दी को गर्दन पर लगा लें। सूखने के बाद गुनगुने पानी से धो लें। 5. रात को 10-15 चिरौंजी दूध में भिगो दें। सुबह उसे अच्छी तरह पीसकर लगाने से गर्दन का कालापन दूर होता है। यह प्रयोग सप्ताह में 2 बार करें। 6. गर्दन का कालापन दूर करने के लिए जैतून के तेल की मसाज करें।

7. दो चम्मच उड़द की दाल को गुलाबजल में रात भर के लिए भिगो दें। सुबह उसे पीसकर पेस्ट बना लें। इसे गर्दन पर लगाएं। 10 मिनट बाद ठंडे पानी से साफ कर लें। यह गर्दन की ठीक से सफाई कर देता है।

8. सिर को कभी भी झुका कर बिल्कुल ना रखें।

# पार्टी में सबसे अलग दिखें

पार्टियों का मौसम है। ऋतु मस्तानी है। ऐसे में ग्लैमर लुक आपको देगा एक नई पहचान। यहां लैक्मे ब्यूटी एक्सपर्ट कोरि वालिया बता रहे हैं इस सीजन के नए लुक्स।

मौसम के साथ-साथ मेकअप ट्रेड भी बदल जाता है। नर्म धूप और ठंड में अगर किसी पार्टी में या विशेष मौके पर कहीं जाना हो तो कई बार सोचना पड़ता है, मेकअप कैसा और किस तरह किया जाए कि त्वचा भी सही रहे। तो चलिए सखी के साथ इस सीजन के ग्लैमर लुक ट्राई करिए।

**लुक 1**

**रेड कार्पेट ग्लैम लुक चेहरा**

चेहरा साफ पानी से धोकर अपनी स्किन टोन से मेल खाता हुआ सिल्क नैचरल डेली फाउंडेशन लगाएं। गर्दन व चेहरे पर लगाएं। ऊपर से नीचे की दिशा में अच्छी तरह ब्लेंड करें। अपने चीक्स को सॉफ्ट, नैचरल हाइलाइट करने के लिए पीच कलर का प्योर रुजब्लशर लगाएं।

**आंखें**

पर्पल ओएसिस आई कलर क्वारलेट लें। फिर एप्लीकेटर की सहायता से हलका शेड लैश लाइन से आइब्रो तक लगाएं। उसके बाद एक डार्क शेड लैश लाइन पर लगाकर हलका ब्लेंड करें। अब फिर लोअर लिड पर आई आर्टिस्ट से मोटी लाइन खींचें। आंखों के दोनों कोनों से बाहर निकालते हुए बनाएं। क्विक स्लिवर ग्लाइड ऑन आई कलर से अपर आइलिड पर फाइनल टच दें।

**होंठ**

एनरिच मैट लिप कलर शेड 661 से होंठों को सॉफ्ट टच दें।

**नाखून**

ट्रू वेयर नेल कलर शेड 041 से नाखूनों को आकर्षक बनाएं।

**बाल**

आउट कर्ल करके सेट करें।

**लुक 2**

**रेड कार्पेट ग्लैम लुक**

**चेहरा**

चेहरा साफ पानी से धोकर अपनी स्किन टोन से मेल खाता हुआ सिल्क नैचरल डेली फाउंडेशन गर्दन व चेहरे पर लगाएं। ऊपर से नीचे की दिशा में अच्छी तरह ब्लेंड करें।

**आंखें**

आंखों को ग्लैमर और आकर्षक रूप देने के लिए अपनी अपर आइलिड पर टोपाज आइपॉट लगाएं। अच्छी तरह ब्लेंड करें। फिर आई आर्टिस्ट पेन से मोटी गहरी अपर लैश लाइन बनाएं। थोड़ा बाहर की तरफ निकालते हुए बनाएं। अब अपनी अपर और लोअर आइलिड पर पीकॉक ग्रीन ग्लाइड ऑन आइ कलर से लाइन बनाएं। यह लाइन भीतरी कोने से बाहरी कोने तक बाहर की तरफ फैलाते हुए बनाएं।

**होंठ**

लिप क्रोम शेड 501 से होंठों को भरें।

**नाखून**

नाखूनों पर ट्रू वेयर नेल कलर शेड 421 लगाएं।

**लुक 3**

**गोवा ग्लैम लुक**

**चेहरा**

चेहरा साफ पानी से धोकर अपनी स्किन टोन से मेल खाता हुआ सिल्क नैचरल डेली फाउंडेशन गर्दन व चेहरे पर लगाएं। ऊपर से नीचे की दिशा में अच्छी तरह ब्लेंड करें। अब गालों को सॉफ्ट व नैचरल टच देने के लिए डिंपल एरिया पर हनी बंच प्योर रूज ब्लशर लगाएं। उसके बाद चीक्स बोन के उभार वाले स्थान को नीचे से ऊपर की ओर पीच अफेयर प्योर रूज ब्लशर से हाइलाइट करें। ब्रॉन्ज्ड, बीच लुक देने के लिए चेहरे पर सन किस्ड फेस शियर लगाएं।

**आंखें**

हिना गोल्ड ग्लाइड ऑन आई कलर से अपर आइलिड पर मोटी आईलाइन बनाएं। फिर लोअर आइलिड पर मेटैलिक ब्लैक ग्लाइड ऑन आई कलर से पतली लाइन बनाएं। उसके बाद हिना गोल्ड से हलकी लाइन खींचें।

**होंठ**

होंठों को क्रीमी मैट बेस देने के लिए एनरिच मैट लिप कलर शेड नं.- 263 लगाएं।

उसके बाद लस्टर शीन लिप क्रोम शेड नं.- 601 लगाएं।

**नाखून**

ट्रू वेयर नेल कलर शेड नं.-242 से नेल्स को कोट करें।

**लुक 4**

**जिप्सी ग्लैम लुक**

**चेहरा**

चेहरा साफ पानी से धोकर अपनी स्किन टोन से मेल खाता हुआ सिल्क नैचरल डेली फाउंडेशन गर्दन व चेहरे पर लगाएं। ऊपर से नीचे की दिशा में अच्छी तरह ब्लेंड करें। उसके बाद चीक्स बोन के उभार वाले स्थान को नीचे से ऊपर की ओर हनी बंच प्योर रूज ब्लशर से हाइलाइट करें।

**आंखें**

स्मोकी आई लुक देने के लिए आई कलर क्वारटेट से ब्लैक आईशैडो लें और उसमें से मून डस्ट शेड को आइलिड पर लगाएं। फिर लोअर आइलिड पर फैलाएं। अगर आपकी त्वचा के लिए यह शेड अधिक गहरा लगे तो सॉफ्ट लुक देने के लिए कोई ब्राउन शेड लगाएं। सिल्वर शेड से अपर लैश लाइन को हाइलाइट करें। फिर ब्रो बोन पर व्हाइट शेड लगाकर परफेक्ट फिनिशिंग दें। लोअर लैश लाइन पर मेटैलिक ब्लैक ग्लाइड ऑन आई कलर लगाएं। इस लाइन के नीचे ब्रॉन्ज ग्लाइड ऑन आई कलर से नीचे दूसरी लाइन खींचें और बाहरी कोनों तक हलका फैलाएं।

**होंठ**

गोल्ड सिजल ग्लाइड ऑन लिप कलर से होंठों को डिफाइन करें और स्मज प्रूफ, शिमरिंग बेस दें।

बेहतरीन रूप देने के लिए एनरिच मेटैलिक लिप कलर शेड 660 लगाएं।

**नाखून**

ट्रू वेयर नेल कलर शेड नं.- 420 से नाखूनों को कोट करें।

# मॉइस्चराइजर

## लगाने के लिए इस तरह करें ब्रश का उपयोग

आजकल हर कोई मेकअप करता है, फिर चाहे कोई भी उत्सव हो या नही। ऐसे में अगर जलदबाजी में आप सही तरीके से मेकअप नही करेगे तो आप आकर्षक नही दिखागे। आज हम आपको मेकअप में सही तरीके से मॉइस्चराइजर लगाने के बारे में बताएगें। मॉइस्चराइजर का उपयोग झुर्रियों को आने से रोकता है और आपकी त्वचा को कोमल बनाए रखने में सहायता करता है। मॉइस्चराइज़र का इस्तेमाल अगर हाथों की जगह अगर ब्रश से किया जाए तो आपकी त्वचा लिए फायदेमंद होगा। ऐसे में कभी भी हाथों से मेकअप नही करना चाहिए, क्योकि हाथों से मेकअप एक समान नहीं फैलता। मेकअप में ब्रश का उपयोग करना हाथों और चेहरे की त्वचा के लिए भी फायदेमंद है। तो आइए जानते है ब्रश द्वारा मॉइस्चराइजर लगाने के तरीके...

### 1. स्मूथ स्किन

अगर आप स्मूथ स्किन पाना चाहते है तो हाथों से मॉस्चराइज़र लगाए की बजाय ब्रश का उपयोग करें। ब्रश आपके चेहरे पर मॉइस्चराइजर को अच्छे से फैलता है, जिससे आपकी त्वचा एक समान लगती है। ऐसा करने से फाउन्डेशन से पहले त्वचा को एक बेस मिल जाता है।

### 2. मेकअप

कभी भी हाथों से मेकअप न करें, क्योंकि हाथों से मेकअप एक समान नहीं फैलता। ब्रश के साथ मेकअप करने से त्वचा के साथ अच्छे से मिलता जाता है। इसीलिए हमेशा ब्रश का उपयोग करें।

### 3. आईब्रो

ब्रश की सहायता से मॉइस्चराइज़र लगाते हैं तो ध्यान रखें कि आईब्रो का भाग छोड़ दें ताकि इन पर मेकअप अच्छे से हो जाए। अगर आप हाथों का उपयोग करते हैं तो हो सकता है कि इसका कुछ भाग आपकी आईब्रो पर लग जाए जिससे आपकी आईब्रो पर पेन्सिल का उपयोग ख़राब हो सकता है।

### 4. मुंहासें

हमारे चेहरे की त्वचा बहुत संवेदनशील होती है। अगर आप इस पर हाथों से मॉस्चराइज़र लगाएगें तो हाथों के बैक्टीरिया अपके चेहरे की त्वचा पर आ जाएगें, जिसके कारण आपको मुंहासें या अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। हमारे हाथों और नाखूनों में बहुत सा तेल और बैक्टीरिया होते हैं, जिनहें चाहरे पर लगाने से मुंहासों की समस्या हो सकती है। इस लिए इनहें साथ-सुथरा रखें।

### 5. ब्रश मसाज

ब्रश से मॉस्चराइज़र लगाने पर मसाज जैसा अनुभव आता है जिससे आप न केवल आराम महसूस करते हैं बल्कि यह त्वचा के लिए बहुत अच्छा होता है। इससे रक्त परिसंचरण बढ़ता है तथा आपको अधिक चमकीला चेहरा मिलता है।

### 6. ब्रश का उपयोग

अकसर देखा गया है कि जब आप हाथों से मेकअप करते है तो अपको कई बार हाथ धोने पड़ते हैं या कुछ लोगों को अपने हाथ ख़राब करना अच्छा नहीं लगता ऐसे में आप ब्रश का उपयोग करें।

# डैंड्रफ

## हैं तो अपनाएं ये घरेलु उपाय, जल्द ही पाएं छुटकारा!

सुन्दर दिखने की चाह हर किसी को होती है। सौन्दर्य में जहां एक ओर चेहरे की सुंदरता का महत्व है, वहीं गर्दन का महत्व भी कम नहीं मना जाता। अगर आपकी सुराहीदार गर्दन हो तो वह आपकी सुंदरता में चार चांद लगा देती है। पर अगर गर्दन की सफाई समय पर न की जाए तो यह आपकी सुंदरता को कम कर देती है। गर्दन पर उम्र का प्रभाव बहुत जल्दी पडता हैं, जिसके कारण समय से पहले ही झुर्रियां, काली-मैली और स्किन के रंग में फर्क साफ देखाई देने लगता हैं। वहीं दूसरी ओर गर्दन बेडौल हो जाने की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। इसलिए गर्दन की भी उसी प्रकार से देखभाल करनी चाहिए जैसे चेहरे की जाती है।

1. नींबू के बीज निकाल कर कच्चे दूध में डुबो-डुबो कर मैली गर्दन पर रगडें। इससे गर्दन की मैल दूर हो जाएगी।

2. हफ्ते में 2-3 बार पपीते के गूदे से मसाज करने से गर्दन की स्किन पर निखार आता है और साथ ही झुर्रियां भी दूर होती है। 3. अंडे की सफेदी में थोडा सा नीबू का रस मिलाकर अच्छी तरह से फेट लें। इसे गर्दन पर 15 मिनट तक लगा रहने दें। इसके बाद धो लें। यह गर्दन का कालापन दूर करता है।

4. 30-35 साल की महिलाएं गर्दन की झुर्रियों से परेशान हैं, तो उन्हें दूर करने के लिए सबसे आसान तरीका है कि सप्ताह में एक बार अंडे की जर्दी को गर्दन पर लगा लें। सूखने के बाद गुनगुने पानी से धो लें। 5. रात को 10-15 चिरौंजी दूध में भिगो दें। सुबह उसे अच्छी तरह पीसकर लगाने से गर्दन का कालापन दूर होता है। यह प्रयोग सप्ताह में 2 बार करें। 6. गर्दन का कालापन दूर करने के लिए जैतून के तेल की मसाज करें।

7. दो चम्मच उड़द की दाल को गुलाबजल में रात भर के लिए भिगो दें। सुबह उसे पीसकर पेस्ट बना लें। इसे गर्दन पर लगाएं। 10 मिनट बाद ठंडे पानी से साफ कर लें। यह गर्दन की ठीक से सफाई कर देता है।

8. सिर को कभी भी झुका कर बिल्कुल ना रखें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

# युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया

**जम्मू, 17 दिसंबर (हि.स.)।** स्थानीय युवाओं को सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने और उनका मार्गदर्शन करने के प्रयास में, भारतीय सेना ने राजौरी के परोर गुजरान गांव में सशस्त्र बलों में कैसे शामिल हों शीर्षक से एक प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य सशस्त्र बलों में विभिन्न प्रवेश योजनाओं और कैरियर के अवसरों के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करके इच्छुक उम्मीदवारों को सशक्त बनाना है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को सेना में अपनी यात्रा की योजना बनाने के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। यह सुनिश्चित करने के लिए कि युवाओं को उनकी तैयारी के लिए आवश्यक संसाधनों तक पहुँच हो हेल्पलाइन नंबर, ट्यूटोरियल वीडियो और हैंडआउट साझा किए गए। व्याख्यान में 15 छात्रों और 30 गाँव के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। समुदाय के नेताओं और ग्राम प्रधानों ने क्षेत्र में सुरक्षा बनाए रखने, सुरक्षा सुनिश्चित करने और जीवन स्तर को ऊपर उठाने में भारतीय सेना के अथक प्रयासों की सराहना की। युवा उम्मीदवारों को प्रोत्साहित करने और उनका समर्थन करने के लिए परोर गुजरान और आस-पास के गांवों के उम्मीदवारों को 13 किताबें वितरित की गईं जिन्होंने भारतीय सेना भर्ती रैली के शुरुआती चरण को सफलतापूर्वक पास कर लिया था। इस कार्य ने दूरदराज के क्षेत्रों में प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और अवसरों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को मजबूत किया। इस कार्यक्रम ने अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीर के रूप में भारतीय सेना में शामिल होने के लिए स्थानीय युवाओं के बीच बढ़ते उत्साह को भी उजागर किया।

# वॉलीबॉल मैच का आयोजन कर मनाया विजय दिवस

**जम्मू, 17 दिसंबर (हि.स.)।** विजय दिवस के अवसर पर भारतीय सेना ने रियासी जिले के बरख गांव के युवाओं के साथ एक दोस्ताना वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया। इस अनूठी पहल ने 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की ऐतिहासिक जीत की वर्षगांठ मनाई और इसका उद्देश्य सशस्त्र बलों और स्थानीय समुदाय के बीच सौहार्द और आपसी सम्मान के बंधन को मजबूत करना था।

इस मैच में स्थानीय युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिन्होंने सराहनीय खेल भावना और उत्साह दिखाया। सेना के आउटरीच प्रयासों के हिस्से के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम ने युवा पीढ़ी के बीच शारीरिक फिटनेस, टीम वर्क और देशभक्ति को बढ़ावा दिया।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने विजय दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला, भारत की निर्णायक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सैनिकों की बहादुरी और बलिदान को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इस तरह के सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से विश्वास और एकता को बढ़ावा देने के महत्व पर भी जोर दिया।

# अरनिया ब्लॉक के एकमात्र अस्पताल में सुविधाओं की कमी पर जताई चिंता

**जम्मू, 17 दिसंबर (हि.स.)।** अरनिया अस्पताल में सुविधाओं की कमी को लेकर शिवसेना हिंदुस्तान के सदस्यों द्वारा जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष पंडित राजेश केसरी की मौजूदगी में मरहोल गांव में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में यह बात सामने आई कि अरनिया ब्लॉक में करीब 100 गांव हैं और अरनिया ब्लॉक के एकमात्र अस्पताल में इन गांवों के मरीजों के लिए सुविधाओं का अभाव है जबकि अस्पताल में केवल चार मरीज कक्ष हैं। चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए केसरी ने कहा कि इस अस्पताल में विशेष विभागों और उपकरणों की कमी है जिससे मरीजों को समय पर और उचित देखभाल मिलना मुश्किल हो जाता है। पुरानी इमारतें, अपर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और अपर्याप्त स्वच्छता

सुविधाओं जैसे पुराने या अपर्याप्त बुनियादी ढांचे से मरीजों की देखभाल और सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

अस्पताल चिकित्सा पेशेवरों को आकर्षित करने और उन्हें बनाए रखने के लिए संघर्ष करता है जिससे स्टाफ की कमी होती है और शेष कर्मचारियों पर काम का बोझ बढ़ता है और साथ ही एमआरआई या सीटी स्कैनर जैसे उन्नत नैदानिक उपकरणों की भी कमी है जिससे मरीजों का सटीक निदान और उपचार करना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा एम्बुलेंस सेवाओं, आपातकालीन कक्षों और ट्रॉमा केयर जैसी आपातकालीन सेवाएं भी नहीं हैं। संभावित समाधान सुझाते हुए केसरी ने कहा कि सरकार बुनियादी ढांचे को उन्नत करने, नए उपकरण खरीदने और चिकित्सा कर्मचारियों की भर्ती के लिए धन और सहायता प्रदान कर सकती है।

# डोगरा सदर सभा ने 120वीं वार्षिक आम परिषद बैठक की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

**जम्मू, 17 दिसंबर (हि.स.)।** डोगरा सदर सभा की कार्यसमिति की बैठक मंगलवार को सभा के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री गुलचैन सिंह चाड़क की अध्यक्षता में हुई जिसमें 28 दिसंबर, 2024 को होने वाली 120वीं वार्षिक आम परिषद बैठक की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। इस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भाग लेंगे तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। पूर्व मंत्री ने समुदाय को एकजुट करने तथा जम्मू क्षेत्र की सामाजिक-सांस्कृतिक एवं विकासात्मक प्रगति की दिशा में काम करने के प्रति अपने समर्पण की पुष्टि की। बैठक के दौरान सभा के सदस्यों ने महान तबला वादक जाकिर हुसैन को भी भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा संगीत एवं समाज की दुनिया में उनके अद्वितीय योगदान को सम्मानित किया। सभा के सदस्यों

ने जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन जम्मू की नव निर्वाचित टीम को भी बधाई दी तथा उनके नेतृत्व में आशा व्यक्त की तथा क्षेत्र में न्याय और कानूनी अखंडता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्धता दिखाई। बैठक का समापन करते हुए ठा. गुलचैन सिंह चाड़क ने सम्मानित सदस्यों से आगामी वार्षिक आम परिषद की बैठक में पूरे दिल से भाग लेने की अपील की तथा इस बात पर बल दिया कि उनकी सक्रिय भागीदारी डोगरा संस्कृति और विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए सभा के प्रयासों को मजबूत करेगी।

# भाजपा नेताओं ने पार्टी मुख्यालय में जन शिकायतों का समाधान किया

**जम्मू, 17 दिसंबर (हि.स.)।** भाजपा उपाध्यक्ष और विधायक सुरजीत सिंह सलाथिया ने विधायक प्रोफेसर घारू राम भगत के साथ जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित भाजपा मुख्यालय में लोगों और प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की और जन शिकायतों का समाधान करने तथा विकास संबंधी मुद्दों पर चर्चा की।

बड़ी संख्या में लोग व्यक्तिगत और समूह में अपनी समस्याओं को लेकर वरिष्ठ भाजपा नेताओं के पास पहुंचे। शिकायतों में व्यक्तिगत मामलों के साथ-साथ विकास संबंधी मुद्दे भी शामिल थे जिनमें पीएचई (सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग), पीडीडी (बिजली विकास विभाग), सड़कें, गलियां और नालियां शामिल थीं। समस्याओं पर तत्काल ध्यान देते हुए वरिष्ठ नेताओं ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर समाधान में तेजी लाने को कहा।

सुरजीत सिंह सलाथिया ने शिकायतों को सुनते हुए लोगों को आश्वासन दिया कि भाजपा पीड़ितों को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जनप्रतिनिधि के रूप में पार्टी की जवाबदेही और समर्पण पर जोर दिया। उन्होंने कहा हम जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के लिए संबंधित अधिकारियों से सीधे संपर्क करके त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करते हैं। लोग हमारे पास विश्वास के साथ आते हैं क्योंकि उन्हें भाजपा की उनके मुद्दों को ईमानदारी से संबोधित करने की प्रतिबद्धता पर भरोसा है। प्रोफेसर घारू राम भगत ने कहा कि पार्टी समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है और जाति, धर्म या क्षेत्र से परे समाज के हर वर्ग की चिंताओं को हल करने के लिए अथक प्रयास करती है।

# एनआईटी श्रीनगर ने एनआईटी हमीरपुर को 23 रनों से हराया

**श्रीनगर, 17 दिसंबर (हि.स.)।** राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर जम्मू-कश्मीर ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) सिलचर असम में अखिल भारतीय अंतर-एनआईटी फैकल्टी और स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में एनआईटी हमीरपुर को 23 रनों से हरा दिया।

सिलचर के एनआईटी सिलचर क्रिकेट ग्राउंड में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एनआईटी श्रीनगर जम्मू-कश्मीर ने 138/5 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। फैसल इरशाद ने नाबाद 52 रनों की पारी खेली जिसमें चार चौके और एक छक्का शामिल था। उनका साथ आकिब शेख ने दिया जिन्होंने सिर्फ 5 गेंदों पर दो चौकों सहित 16 रनों की तेज पारी खेली। सोहेल अहमद बाबा ने भी आउट होने से पहले 17 रनों का योगदान दिया।

हालांकि एनआईटी हमीरपुर के गेंदबाज नियमित अंतराल पर महत्वपूर्ण विकेट लेने में सफल रहे। मनीष ने 3 ओवर में 27 रन देकर 2 विकेट लिए जबकि अमन कुमार ने भी 29 रन देकर 2 विकेट लिए। उनके प्रयासों के बावजूद एनआईटी श्रीनगर का स्कोर चुनौतीपूर्ण साबित हुआ।

जीत के लिए 139 रनों का पीछा करते हुए एनआईटी हमीरपुर को एनआईटी श्रीनगर के अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण के सामने गति बनाए रखने में संघर्ष करना पड़ा। विवेक तिवारी (15 गेंदों पर 15 रन) और नीरज धीमान (12 गेंदों पर 16 रन) ने कुछ प्रतिरोध दिखाया लेकिन वे बड़ी साझेदारी बनाने में विफल रहे। कप्तान सुरेंदर सोनी ने 7 रन जोड़े जबकि आकाश शर्मा (15) और अमन कुमार (12) ने पारी को स्थिर करने की कोशिश की। हालांकि, आवश्यक रन रेट बढ़ता रहा। एनआईटी श्रीनगर के गेंदबाजों ने दबाव में शानदार प्रदर्शन किया।

# मूवमेंट कल्कि के प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री से की मुलाकात, गौ माता और सनातन बोर्ड के लिए सौंपा ज्ञापन

**जम्मू, 17 दिसंबर (हि.स.)।** मूवमेंट कल्कि के आंदोलन के 58वें दिन संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी से मुलाकात की और उन्हें गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा देने, गौ रक्षा कानून बनाने तथा जम्मू-कश्मीर के मंदिरों की देखरेख हेतु एक सनातन बोर्ड के गठन की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल में ठाकुर करनैल चंद, प्रीतम शर्मा, मोनिका शर्मा, अनुराधा, और जसपाल शर्मा शामिल थे। उपमुख्यमंत्री ने उनकी मांगों को

ध्यानपूर्वक सुना और आश्वासन दिया कि इन मुद्दों पर जल्द ही उचित कार्रवाई की जाएगी।

# सीयूजे में विजय दिवस के उपलक्ष्य पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया

**जम्मू, 17 दिसंबर (हि.स.)।** जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग (एनएसएस) ने कुलपति प्रो. संजीव जैन के नेतृत्व में विजय दिवस के उपलक्ष्य में 卐1971 के युद्ध की रणनीतिक प्रतिभाः भारत के समकालीन समय के लिए सबक卐 विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत एनएसएस विभाग की प्रमुख डॉ. नीता रानी के स्वागत भाषण से हुई जिन्होंने अतिथि वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) अजात शत्रु जम्वाल का परिचय कराया और एक अनुभवी सैनिक और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उनके विशिष्ट करियर पर प्रकाश डाला। उन्होंने विजय दिवस के महत्व को रेखांकित किया जो 1971 में भारत की ऐतिहासिक जीत और पूर्वी पाकिस्तान की मुक्ति का प्रतीक है।

अपने विस्तृत व्याख्यान में लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) जम्वाल ने 1971 के युद्ध के आसपास के राजनीतिक और रणनीतिक माहौल का व्यापक विश्लेषण किया। उन्होंने एक अत्यधिक सफल रणनीति को क्रियान्वित करने में भारत की तीन सशस्त्र सेनाओं के बीच उल्लेखनीय समन्वय की सराहना की और मुक्ति वाहिनी के उद्भव और संघर्ष में उनकी निर्णायक भूमिका पर चर्चा की। लेफ्टिनेंट कर्नल जम्वाल ने रूस द्वारा निभाई गई सहायक भूमिका पर भी जोर दिया और युद्ध के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका की मौन भागीदारी की आलोचना की।

भारत के समकालीन राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य को संबोधित करते हुए उन्होंने रणनीतिक नेतृत्व, प्रति-प्रचार उपायों और स्वदेशीकरण के माध्यम से आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने टिप्पणी की कथन को नियंत्रित करना और हितधारकों के बीच तालमेल को बढ़ावा देना भारत के रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

अध्यक्षीय टिप्पणी प्रोफेसर वंदना शर्मा, डीन ऑफ लैंग्वेज द्वारा दी गई जिन्होंने कुलपति की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने भारत की ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाया।


## उत्तर रेलवे

### ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर द्वारा नीचे दिए गए कार्य के लिये योग्य और पंजीकृत बोलीदाताओं से फिरोजपुर मण्डल में ई-नीलामी आमंत्रित किया गया है:

| नीलामी सूची सं. | नीलामी शुरू होने का समय और तारीख | कार्य का नाम |
|---|---|---|
| EAFZR-PnU24-5 | 24.12.2024 को 12:30 बजे | जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर पे एंड यूज शौचालयों के संचालन और रखरखाव के लिए 6 महीने के लिए अनुबंध का आवंटन। |
| EAFZR-OH24-20 | 30.12.2024 को 11:00 बजे | वाणिज्यिक प्रचार अधिकारों के लिए ठेके का आवंटनः क) सुजानपुर, साहनेवाल, बाड़ी ब्रह्मणा, जम्मू तवी, पठानकोट, अमृतसर, जालंधर शहर, बारामुल्ला, सोपुर, बड़गाम, श्रीनगर, अनंतनाग, काजीगुंड तथा बनिहाल रेलवे स्टेशन पर पानी की टंकियों के ओवरहेड के बाहरी हिस्से पर। ख) छीना, वेरका, जैंतीपुरा, बटाला, भगतांवाला, और पट्टी रेलवे स्टेशन से सटे लेवल क्रॉसिंग गेटों पर होअर्डिंग के माध्यम से। |
| EAFZR-MIS24-13 | 30.12.2024 को 12:30 बजे | रेलवे स्टेशन जालंधर सिटी और पठानकोट कैंट में शांतिपूर्ण/शिथिल जोन में बॉडी रिलीफ चेयर की स्थापना, संचालन और रखरखाव के ठेके का आवंटन। |
| EAFZR-OH24-21 | 31.12.2024 को 12:30 बजे | वाणिज्यिक प्रचार अधिकारों के लिए ठेके का आवंटनः क) मखु, नकोदर व सांबा रेलवे स्टेशन पर होअर्डिंग के माध्यम से और पानी की टंकियों के ओवरहेड के बाहरी हिस्से पर । ख) गोराया, माधोपुर पंजाब, लोहिया खास व भोगपुर सिरवाल रेलवे स्टेशन पर होअर्डिंग के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार अधिकारों के लिए ठेके का आवंटन। |

विस्तृत जानकारी और पंजीकरण के लिए, कृपया रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं।

संख्याः **MC/38015/Pub/E-Auction/FZR/22** तिथिः **17.12.2024** **3861/2024**

**ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ**


# यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, किया 91600 जुर्माना

**रियासी, 17 दिसंबर (हि.स.)।** रियासी में विभिन्न जगहों पर एआरटीओ रियासी नीरज शर्मा व मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर तुषार अंताल, निखिल शर्मा द्वारा विशेष नाके लगाकर वाहनों की दस्तावेजों की जांच की गई। वहीं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए मौके पर ही 91600 रुपए जुर्माना किया गया।

वहीं बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट के चल रहे वाहनों व दस्तावेज न होने के कारण पांच वाहनों को मौके पर ही जब्त कर लिया गया और कुछ वाहनों को ब्लैक लिस्ट भी किया गया। एआरटीओ रियासी नीरज शर्मा ने बताया कि जो भी दोपहिया अथवा चार पहिया वाहन, टैक्सी पैसेंजर अन्य वाहन बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट के पाया गया या फिर नंबर प्लेट को छुपाने के लिए पेंटिंग की गई तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नीरज शर्मा ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन न करें और मार्ग में अवैध तरीके से गाड़ियां पार्क नहीं करें और यह मुहिम आगे भी जारी रहेगी।


**UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR**
**OFFICE THE EXECUTIVE ENGINEER PWD (R&B) DIVISION UDHAMPUR**

## NOTICE INVITING TENDER

**e-NIT No. 92 of 2024-25 Dated 16.12.2024**

For and on behalf of the Lieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmir e-tenders are invited on percentage basis from approved and eligible Contractors registered with Union Territory of J&K, CPWD, Railways, MES and other State/Central Governments for the following work:-

| S. No. | Name of Work | Advertised Cost (Rs. in lacs) | Cost of document (in Rs) | Earnest Money | Time Allowed for completion | Class of Contrac-tor | Head of Account |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 2. | 3. | 4. | 5. | 6. | 7. | 8. |
| 1. | Const. of drain on Jib Thathi road Km 5th to 6th (under ARD). | 14.50 | 600/- | @2% of advertised cost | 30 Days | "B/C/D" | "ARD" |

**Position of AAA:-Accorded**
**Position of T.S:- Submitted**
**Position of Funds:-Demanded**

The Bidding documents Consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, Drawings, bill of quantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen/downloaded from the departmental website http://jktenders.gov.in as per below schedule:-

| | | |
|---|---|---|
| 1 | Date of Issue of Tender Notice | 16-12-2024 |
| 2 | Period of downloading of bidding documents | From 16-12-2024 to 27-12-2024, 1800 Hrs |
| 3 | Date, Time and place of pre-bid meeting. | 20-12-2024 at 1200 Hrs. in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division, Udhampur. |
| 4 | Bid submission Start Date | 17-12-2024 from 900 Hrs |
| 5 | Bid Submission End Date | 27-12-2024 up to 1800 Hrs |
| 6 | Date & time of opening of Technical Bids (Online) | 28-12-2024 on or after 1200 Hrs in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division, Udhampur. |
| 7 | Date & time of opening of Financial Bids (Online) | To be notified after technical bid evaluation is completed. |

1. Bids must be accompanied with cost of Tender document in shape of e-challan through Treasury indicating Treasury Voucher No. & date, name of work duly crediting to 0059 (Revenue) favoring Executive Engineer PWD (R&B) Division, Udhampur uploading a copy of treasury challan and EMD/Bid Security in the shape of CDR/FDR (The date of Treasury Challan/ Bid Security/Affidavits between date of start of bid submission and bid submission end date) duly pledged to Executive Engineer PWD (R&B) Division, Udhampur as mentioned in the bid documents. The earnest money of the unsuccessful bidder shall be released only after submission of Treasury Challan

No:- _____
Dated:- 16-12-2024

**DIP/J-8249/24**
**Dtd: 17-12-2024**

**Sd/-**
**Executive Engineer**
**PWD (R&B) Division**
**Udhampur**


# जेएमसी आयुक्त और विधायक ने स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की प्रगति का निरीक्षण किया

**जम्मू, 17 दिसंबर (हि.स.)।** जम्मू नगर निगम आयुक्त देवांश यादव के साथ बहू निर्वाचन क्षेत्र के विधायक विक्रम रंधावा ने महत्वाकांक्षी जम्मू स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करने के लिए गांधी नगर में वार्ड नंबर 21 का व्यापक दौरा किया।

निरीक्षण के दौरान विधायक रंधावा ने शहरी बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, सतत विकास को बढ़ावा देने और निवासियों के लिए जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से चल रही पहलों का आकलन किया। जांच के तहत प्रमुख परियोजनाओं में जल निकासी प्रणालियों का उन्नयन, ऊर्जा-कुशल स्ट्रीट लाइटों की स्थापना, सार्वजनिक स्थानों का सौंदर्यीकरण और नागरिक सुविधा को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक सुविधाओं का निर्माण शामिल था। कार्य की गति और गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त करते हुए विधायक रंधावा ने स्मार्ट सिटी पहल के परिवर्तनकारी प्रभाव पर जोर दिया। उन्होंने लंबे समय से चली आ रही बुनियादी ढांचे की कमी को दूर करने और स्वच्छ, हरित और तकनीकी रूप से उन्नत शहरी केंद्र बनाने की इसकी क्षमता को रेखांकित किया।

रंधावा ने कहा जम्मू स्मार्ट सिटी परियोजना हमारे निर्वाचन क्षेत्र और अन्य क्षेत्र के लिए एक बड़ा परिवर्तनकारी कदम है। यह केवल बुनियादी ढांचे के बारे में नहीं है बल्कि हमारे नागरिकों के लिए जीवन को आसान बनाने के बारे में है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि ये परियोजनाएँ उच्चतम गुणवत्ता मानकों के साथ समय पर पूरी हों।

इसी बीच जम्मू नगर आयुक्त देवांश यादव ने स्मार्ट सिटी मिशन के तहत चल रही और आने वाली दोनों परियोजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि काम पारदर्शी और कुशल तरीके से किया जा रहा है।

# गुज्जर-बकरवाल समुदाय के मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए सम्मेलन आयोजित

**जम्मू, 17 दिसंबर (हि.स.)।** जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) द्वारा गुज्जर-बकरवाल समुदाय का एक दिवसीय सम्मेलन शेर-ए-कश्मीर भवन में आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश में जनजातीय आबादी के सामने आने वाले ज्वलंत मुद्दों और चुनौतियों पर विचार-विमर्श करना था। जेकेएनसी जम्मू प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे, जिनमें मुख्य अतिथि मंत्री जावेद अहमद राणा और विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री और अतिरिक्त महासचिव अजय कुमार सधोत्रा शामिल थे। कार्यक्रम में प्रमुख विधायक जावेद इकबाल (बुद्धल), खुर्शीद अहमद (गुलाबगढ़) और प्यारे लाल शर्मा (इंदरवाल) ने भी भाग लिया।

सत्र के दौरान सलाम दीन ने गुज्जर-बकरवाल समुदाय द्वारा झेली गई कठिनाइयों को संबोधित किया खासकर पिछले एक दशक में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के तहत जो उन्होंने जोर देकर कहा, आदिवासी आबादी के सामने आने वाली सामाजिक-आर्थिक और बुनियादी ढाँचे की चुनौतियों का समाधान करने में विफल रही है।

# संपादकीय

## पुलिस व्यवस्था में सुधार

जम्मू में वकीलों के समुदाय के सदस्यों के साथ दुर्व्यवहार करने के लिए एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी को निलंबित किए जाने की अप्रिय घटना इस तथ्य की याद दिलाती है कि पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार की आवश्यकता है, खासकर जब सार्वजनिक व्यवहार के मुद्दों की बात आती है।

यह कहा जा सकता है कि वर्तमान पुलिस व्यवस्था को व्यवहारिक प्रशिक्षण की गंभीर आवश्यकता है, जिसका तात्पर्य सार्वजनिक व्यवहार के मामले में कानून लागू करने वाली एजेंसी के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए व्यवहार, दृष्टिकोण और पारस्परिक कौशल को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना है, क्योंकि आम आदमी कोई भयानक अपराधी नहीं है, जिसे कठोर प्रतिक्रिया मिलनी चाहिए, बल्कि उसके साथ सम्मानजनक तरीके और शालीनता से पेश आना चाहिए।

पुलिस और लोगों के बीच संघर्ष की ऐसी घटनाएं याद दिलाती हैं कि पुलिस को यह सिखाने की आवश्यकता है कि वे किस तरह से प्रतिक्रिया करें, संवाद करें और वांछित परिणामों के साथ तालमेल बिठाएं, जैसे उत्पादकता में सुधार, बेहतर संबंध बनाना या सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना।

जानीपुर इलाके में हुई घटना को देखते हुए, जहां एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी को लोगों के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने के लिए निलंबित कर दिया गया है, यह जरूरी हो जाता है कि अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने, समुदाय के विश्वास को बढ़ाने और कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सरकार द्वारा अधिकार दिए गए लोगों द्वारा अत्यधिक बल के उपयोग को कम करने के लिए कदम उठाए जाएं। यह दृष्टिकोण सुरक्षित पड़ोस बनाने और पुलिस और नागरिकों के बीच तनाव को कम करने में मदद कर सकता है।

कुल मिलाकर, पुलिसिंग के तरीकों, प्रणालियों और दृष्टिकोणों में व्यापक बदलाव की सख्त जरूरत है, यह सुनिश्चित करते हुए कि कानून प्रवर्तन अधिक प्रभावी, जवाबदेह और आधुनिक सामाजिक जरूरतों के अनुरूप हो, क्योंकि सरकार खाकी वर्दी वालों को लोगों के साथ क्रूर व्यवहार जारी रखने की अनुमति नहीं दे सकती और न ही देनी चाहिए, जैसा कि ब्रिटिश शासन के दौरान हुआ था, जब भारत एक गुलाम देश था और पुलिस की बर्बरता आम बात थी।

उपरोक्त मामले में, इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि पुलिस के उच्च अधिकारियों ने कार्रवाई की है, क्योंकि प्रभावित पक्ष कानूनी बिरादरी का अभिन्न अंग था, क्योंकि यदि ऐसी ही घटना किसी आम आदमी के साथ हुई होती, तो स्थिति अलग होती, क्योंकि क्षेत्र के कई पुलिसकर्मियों की मानसिकता अभी भी वही है, जो 1947 से पहले के दौर में थी।

# आधुनिक जीवन में ध्यान की प्रासंगिकता

**गिरीश्वर मिश्र**

ध्यान किसी तरह का धार्मिक उपक्रम नहीं है। यह बाहर से हट कर अंदर के अनुभवों को सम्बोधित करने वाला वैचारिक (रिफलेक्टिव) प्रयास है। एकाग्रता तथा अवगत या सचेत होना ही इसका मुख्य आधार है जो वर्तमान में बने रहने और मन की शांति को रेखांकित करता है। दरअसल आँख, कान, नाक, त्वचा आदि हमारे सभी संग्राहक बाहर की दुनिया से लगातार उद्दीपक लाते रहते हैं और उस सारी सामग्री की हमारे मन को व्याख्या करनी पड़ती है। हमारी आँखों से एकत्रित सूचनाओं की बाहर की दुनिया से मिलने वाली सम्पूर्ण सूचनाओं के करीब दो तिहाई भाग की हिस्सेदारी होती है। ये सारी सूचनाएँ हमारे चेतन मन पर असर डालती हैं। तनाव के क्षणों में मन अंदर और बाहर से पैदा होने वाले विचारों से जूझता है। ये विचार ध्यान पाने के लिए आपस में प्रतिद्वांदिता करते हैं और एक-दूसरे से टकराते भी हैं । सूचनाओं की बढ़ती मात्रा से सूचना का अतिभार पैदा होता है। तब अवधान की एकाग्रता घटने लगती है। एक साथ भारी संख्या में आते विचारों की अव्यवस्थित भीड़ का तनाव के अनुभव से बड़ा गहरा रिश्ता है। कहते हैं ध्यान का कार्य एक ब्लैकबोर्ड पर चाक से की गई सारी लिखावट को डस्टर से साफ करने जैसा होता है। ध्यान मानसिक कोलाहल हटा कर संतुलन लाने का काम करता है। सूचना और संचार की शब्दावली में कहें तो ध्यान करने से हमारी चेतना की बैंडविड्थ बढ़ जाती है।

ध्यान कई प्रकार का होता है। इसे सिर्फ विचार या कल्पना मान लेना ठीक न होगा। ध्यान के अंतर्गत आदमी सजग और सचेत होकर अपने भीतर की ओर गहन स्तर पर केंद्रित होता है। इसे आंतरिक ध्यानाकर्षण भी कह सकते हैं।

ध्यान को मुख्यतः दो भागों में रखा जाता है। एकाग्र ध्यान तथा सचेत ध्यान इसके दो मुख्य प्रकार पहचाने गए हैं। एकाग्र ध्यान करने में किसी एक विचार पर अवधान (अटेंशन) को केंद्रित किया जाता है।

इसके अंतर्गत किसी मंत्र, शब्द या ध्वनि पर अवधान केंद्रित करना सम्मिलित है। एकाग्र होने से मन भटकता नहीं है। ध्यान के फलस्वरूप होने वाले मुख्य अनुभवों में आंतरिक एकाग्रता, प्रशांति और सहज भाव मुख्य होते हैं। ध्यान में वर्तमान का सम्पूर्ण अनुभव होता है। भावातीत ध्यान भी इसी तरह का है जो पश्चिम में बड़ा लोकप्रिय हुआ। सचेत ध्यान (माइंडफ़ुलनेस मेडिटेशन) में सभी आ रहे विचारों को स्वीकार किया जाता है और उनको नियंत्रित करने की कोई कोशिश नहीं की जाती है। बिना किसी निर्णय या भावनात्मक लगाव के उनको अनुभव किया जाता है। जेन ध्यान, विपश्यना, प्रेक्षा ध्यान, सहज ध्यान आदि कई प्रकार के ध्यान की परम्पराओं का विकास हुआ है।

वस्तुतः ध्यान से हमारी चेतना की दशा में बदलाव आता है। विस्तार में कहें तो देश और काल के अनुभव, वर्तमान की उन्मुखता, ग्रहणशीलता में वृद्धि और स्वयं को अतिक्रांत करने की वृत्ति जैसे बदलाव प्रमुखता से पाए गए हैं। कई अध्ययनों से पता चलता है कि ध्यान लगाने से जैविक शारीरिक स्तर पर अनेक परिवर्तन आते हैं। इनमें आक्सीजन की खपत में कमी, हृदय गति का धीमा होना तथा रक्तचाप कम प्रमुख हैं। ध्यान करने से मस्तिष्क में अल्फ़ा तरंगें अधिक होती हैं।

ध्यान के लिए जरूरी है कि शांत स्थान पर आराम से स्थिर बैठने का अभ्यास किया जाए। तब श्वांस को सहज बना कर साक्षी भाव अपनाते हुए मन में आ-जा रहे विचारों की गुणवत्ता का परीक्षण किया जाता है। स्वीकार करने की मनोवृत्ति के साथ केंद्रित और अविचलित बने रहना ध्यान की बड़ी उपलब्धि होती है। कहते हैं कि ध्यान एक मानसिक झाड़ू जैसा होता है जो मन के सभी कोनों में सफाई कर देता है। ध्यान मन की स्थिति है जिसके लिए एकाग्रता का अभ्यास जरूरी होता है। वस्तुतः ध्यान हमारी चेतना का अंतरण है।

यह एक व्यवस्थित और पद्धतिबद्ध प्रक्रिया है। अभ्यास के साथ शरीर, स्वांस, इंद्रियाँ और मन इन सभी पर हम क्रमशः केंद्रित होते चलते हैं। आमतौर पर योगासन, स्ट्रेचिंग, आराम (रिलैक्सेशन), श्वांसन अभ्यास के बाद ज्ञान मुद्रा के साथ सुखासन या पद्मासन में बैठ ध्यान किया जाता है। ऐसे में अहं को चेतना के केंद्र की ओर ले जाना सम्भव हो पाता है। शांति, आनंद, स्वतंत्रता ही हमारी मूल प्रकृति है। जीवन और मृत्यु, आगमन-प्रस्थान सरीखे होते हैं। आंतरिक विकास तथा आत्मा और स्व के प्रति जागरूकता ध्यान की श्रेष्ठ उपलब्धि है। ध्यान के सतत अभ्यास से तनाव का प्रतिरोध संभव होता है और मानसिक शांति की अवस्था में वृद्धि होती है। ध्यान से आनंद में वृद्धि तथा अनुभव में संतुष्टि, स्पष्टता और सजगता आती है। तब शरीर विश्रांत, मन केंद्रित और स्वास्थ्य अच्छा होता है। ध्यान का उपचारात्मक प्रभाव पड़ता है और अभ्यास करने वाला व्यक्ति आत्मनिर्भर और आंतरिक बल से सम्पन्न होता है।

ध्यान का अभ्यास करने के दौरान कई तरह की बाधाएँ आती हैं। ध्यान करने वाले को साक्षी भाव अपनाते हुए इन बाधाओं की उपेक्षा करनी चाहिए। चूँकि मन बड़ा चंचल होता है, ध्यान को लेकर अक्सर प्रतिरोध भी अनुभव किया जाता है जो निरंतर अभ्यास से नियंत्रित होता है। धीरे-धीरे ध्यान की अवधि और गहनता बढ़ाई जाती है। इसी जटिलता के कारण गुरु की आवश्यकता पड़ती है।

ध्यान समूहों और अन्य साधक जनों से सहायता ली जानी चाहिए। मन में स्वीकार की भावना के साथ अभ्यास लाभप्रद होता है। आधुनिक जीवन शैली जिस तरह सूचनाओं के प्रवाह से आक्रांत हो रही है उसमें हमारा अवधान न केवल खंडित हो रहा बल्कि उसकी अवधि संक्षिप्त और गहनता घट रही है। ऐसे में ध्यान का अभ्यास विद्यार्थियों, व्यवासाय में लगे लोगों सबके लिए महत्वपूर्ण होता जा रहा है। इसकी सहायता से हम जीवन की गुणवत्ता बढ़ा सकते हैं और देश व समाज को योगदान कर सकेंगे।जब हमारा मस्तिष्क विचारों के भार से मुक्त या कहें स्वच्छ रहता है तो नए विचारों की स्वीकार्यता बढ़ जाती है। तब नए दृष्टिकोण आते हैं, नई उद्भावनाएँ आती हैं और अनसुलझी समस्याओं को सुलझाने के लिए सूझ भी मिलती है। सीखने के लिए उचित परिवेश जरूरी है और ध्यान हमें एकाग्र करके इसे संभव बनाता है। वह हमें आत्मचेतस बनाता है और हम अपने स्व से अवगत होते हैं। यह दुर्भाग्य है कि आज की शिक्षा में आमतौर पर बाहर की दुनिया को देखना तो सिखाया जाता है परंतु अंदर झांकना नहीं हो पाता है। शिक्षित होकर भी हमारे भीतर क्या है, इससे हम अनजान बने रहते हैं। भीतरी आयामों तक जाने की विधा सामान्य रूप से अध्ययन का विषय नहीं है। इस कमी को दूर करने के लिए ध्यान को शिक्षा का अंग बनाना आवश्यक है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

# घरेलू विवाद से दहेज के झूठे मामलों में उलझते पुरुष

**-प्रियंका सौरभ**

जब वैवाहिक कलह के कारण घरेलू विवाद उत्पन्न होते हैं, तो अक्सर पति के परिवार के सभी सदस्यों को फंसाने की कोशिश की जाती है। अदालतों को दहेज उत्पीड़न के मामलों में कानून के दुरुपयोग को रोकने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। उन्हें सतर्क रहना होगा कि कहीं कानून का दुरुपयोग कर पति के रिश्तेदारों को फंसया तो नहीं जा रहा। अदालतों को निर्दोष परिवार के सदस्यों को अनावश्यक परेशानी से बचाना चाहिए।

पुरुषों के अधिकारों से तात्पर्य कानूनी और सामाजिक अधिकारों से है, जो ख़ासतौर पर पुरुषों के सामने आने वाली समस्याओं को सम्बोधित करते हैं। भारत में, जबकि महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देना जरूरी है, पुरुषों की चुनौतियों पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता है, जैसे धारा 498ए आईपीसी के तहत घरेलू हिंसा के मामलों में झूठे आरोप, मानसिक स्वास्थ्य सहायता की कमी और सीमित पैतृक अधिकार। साझा पालन-पोषण कानूनों के इर्द-गिर्द हाल की बहसें लैंगिक न्याय के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता को उजागर करती हैं। भारत में पुरुषों के अधिकारों को अक्सर लैंगिक समानता पर व्यापक चर्चा में कम ध्यान दिया जाता है। घरेलू दुर्व्यवहार के शिकार के रूप में पुरुषों को कानूनी मान्यता नहीं मिलती है, जिससे सुरक्षा की मांग करना या दुर्व्यवहार के मामलों की रिपोर्ट करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। जीवनसाथी द्वारा भावनात्मक, वित्तीय या शारीरिक शोषण के शिकार पुरुषों को सामाजिक कलंक का सामना करना पड़ता है और घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम, 2005 जैसे मौजूदा ढाँचों के तहत कानूनी सहारा नहीं मिलता है।

पुरुषों से भावनाओं को दबाने की सामाजिक अपेक्षाएँ उनके मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करती हैं, जिससे आत्महत्या की दर और अनुपचारित मनोवैज्ञानिक समस्याएँ बढ़ती हैं। 2022 के एनसीआरबी के आंकड़ों से पता चलता है कि आत्महत्या के 72.5त्न मामले पुरुषों के हैं, जो लिंग-संवेदनशील मानसिक स्वास्थ्य नीतियों की आवश्यकता पर बल देता है। तलाक या अलगाव कानून मातृ हिरासत का पक्ष लेते हैं, पिता की भूमिका को हाशिए पर डालते हैं और बच्चे के पालन-पोषण में उन्हें समान अधिकारों से वंचित करते हैं। अभिभावक और वार्ड अधिनियम, 1890, मातृ हिरासत को प्राथमिकता देता है जब तक कि माँ को अयोग्य नहीं माना जाता है, जिससे माता-पिता की भागीदारी के लिए पिता के अवसर सीमित हो जाते हैं। धारा 498ए (दहेज उत्पीड़न) जैसे लिंग-विशिष्ट कानूनों का कभी-कभी दुरुपयोग किया जाता है, जिससे निर्दोष पुरुषों को प्रतिष्ठा, वित्तीय और भावनात्मक नुक़सान होता है। राजेश शर्मा बनाम यूपी राज्य (2017) में, सुप्रीम कोर्ट ने धारा 498ए के दुरुपयोग को नोट किया और झूठे आरोपों के खिलाफ सुरक्षा उपाय पेश किए।

पुरुषों के पास शिकायतों को दूर करने के लिए समर्पित संस्थान या हेल्पलाइन का अभाव है सामाजिक रूढ़िवादिता पुरुषों को अपराधी के रूप में चित्रित करती है, संस्थागत दृष्टिकोण को प्रभावित करती है और कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार या यौन उत्पीड़न जैसे मामलों में उचित उपचार को सीमित करती है। विशाखा दिशा-निर्देश केवल महिलाओं के लिए कार्यस्थल पर उत्पीड़न को कवर करते हैं, जिससे पुरुष पीड़ितों को भारतीय कानून के तहत समान सुरक्षा नहीं मिलती है। यौन शोषण के वयस्क पुरुष उत्तरजीवी कानूनी ढांचे में अपरिचित रहते हैं, जिससे उन्हें वैधानिक उपचार या संस्थागत सहायता से वंचित रखा जाता है। उदाहरण के लिए, आईपीसी की धारा 375 बलात्कार को केवल एक महिला के दृष्टिकोण से परिभाषित करती है, जिससे यौन उत्पीड़न के पुरुष उत्तरजीवी बिना किसी सहारे के रह जाते हैं।

घरेलू हिंसा अधिनियम और आईपीसी की धारा 498ए जैसे मौजूदा कानूनों को संशोधित करके उन्हें लिंग-तटस्थ बनाया जाए, जिससे घरेलू हिंसा और झूठे आरोपों के खिलाफ पुरुषों के लिए समान सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। कनाडा और यूके जैसे देशों में घरेलू हिंसा कानून लिंग-तटस्थ हैं। साझा पालन-पोषण की अवधारणा ऑस्ट्रेलिया में अच्छी तरह से स्थापित है, जो हिरासत के निर्णयों में दोनों माता-पिता के लिए समान विचार को अनिवार्य बनाती है। जापान ने तनाव कम करने को लक्षित करते हुए कार्यस्थल मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू किए हैं, जिन्हें लिंग-विशिष्ट चिंताओं को शामिल करने के लिए अनुकूलित किया जा सकता है।

# मोहन सरकार की खेलों के प्रति प्रतिबद्धता, आने लगे शानदार परिणाम

**मुकेश तोमर**

सरकार यदि विकास के लिए प्रतिबद्ध हो तो असर गहरा दिखाई देता है। वैसे तो मध्य प्रदेश में हर क्षेत्र में विकास इन दोनों तेजी से दिखाई देता है लेकिन यहां बात हम खेलों के संदर्भ में करेंगे ।

वस्तुत- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश ने खेलों की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। विभिन्न राष्ट्रीय- अंतरराष्ट्रीय खेलों में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों मेडल जीतकर देश-प्रदेश का नाम रोखन कर रहे हैं।

इसके पीछे प्रदेश में खिलाड़ियों को दी जा रही ट्रेनिंग, शिक्षा एवं खेलों में वर्ल्ड क्लास इंफास्ट्रक्चर का विशेष योगदान है। बात यहां यदि एक वर्ष की करें तो में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने अनेक उपलब्धियां हासिल की है। इस साल पहली बार मध्य प्रदेश के पांच खिलाड़ियों ने पेरिस ओलंपित में हिस्सा लिया। वहीं, पहली बार मध्य प्रदेश के तीन खिलाड़ियों और एक प्रशिक्षक को राष्ट्रीय खेल सम्मान से अलंकृत किया गया है।

उज्जैन में जिम्नास्टिक, एथलेटिक, बास्केटबॉल, मलखंभ आदि खेलों का स्वर्णिम इतिहास रहा है। देश में आज मलखंभ खेल की बात आती है, तो उसमें उज्जैन का नाम सर्वप्रथम आता है। उज्जैन में मलखंभ और जिम्नास्टिक अकादमी भी संचालित की जा रही है। यहां युवा खिलाड़ी अपने खेल कौशल का पूर्ण क्षमता के साथ सदुपयोग कर अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर पदक अर्जित कर देश-प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की खास दिलचस्पी के चलते उज्जैन में हाल ही में बहुउद्देशीय खेल परिसर का लोकार्पण हुआ है। खेल विभाग का यह दूसरा वृहद खेल परिसर हैं, जिसमें इनडोर-आउटडोर खेल की सुविधा व स्विमिंग पूल उपलब्ध है। नव निर्मित खेल परिसर में अंतरराष्ट्रीय स्तर का एथलेटिक सिंथेटिक ट्रैक है तथा इसी परिसर में बहुउद्देशीय खेल परिसर है, जिसमें बैडमिंटन, टेबल टेनिस, मलखंभ एरिना, शूटिंग, फुटबॉल मैदान, लॉन टेनिस कोर्ट, खिलाड़ियों की सुविधा के लिए प्लेयर्स लॉबी आदि सुविधाओं के साथ अत्याधुनिक जिम की स्थापना की गई है।

भोपाल में अंतरराष्ट्रीय स्तर की शूटिंग रेंज है। इसके अलावा भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर में विभिन्न खेल अकादमियों में खिलाड़ियों को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षकों द्वारा नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि खिलाड़ी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर देश-प्रदेश को पदक दिला रहे हैं। इस साल मई में आयोजित पेरिस ओलंपिक और पैरा-ओलंपिक में पहली बार मध्य प्रदेश के पांच खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और पदक भी अर्जित किए।

इनमें हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद, शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और पैरा एथलीट प्राची यादव, पैरा एथलीट पूजा ओझा और कपित परमार शामिल हैं। कपिल परमार ने पहली बार पैरा ओलंपिक में भाग लेकर को जूडो में देश को पहला पदक दिलाया। होशंगाबाद के रहने वाले विवेक सागर प्रसाद ने टोक्यो ओलंपिक के बाद लगातार दूसरी बार हॉकी टीम की ओर से पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लिया और टीम में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए देश को पदक दिलाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पदक विजेता खिलाड़ियों को एक-एक करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच शिवेंद्र सिंह देश टीम से भी खेल चुके हैं। उनकी कोचिंग में ही भारतीय टीम ने टोक्यो ओलंपिक में 40 साल बाद देश को मेडल जिताया था। पेरिस ओलंपिक में भी उन्होंने लगातार दूसरी बार देश को पदक दिलाया।

इस साल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली में मध्य प्रदेश की चार खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने मध्य प्रदेश के शूटिंग खिलाड़ी ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, पैरा-केनोइंग खिलाड़ी प्राची यादव और महिला हॉकी खिलाड़ी सुशीला चानू को अर्जुन पुरस्कार तथा हॉकी प्रशिक्षक शिवेन्द्र सिंह को द्रोणाचार्य पुरस्कार से पुरस्कृत किया।

बच्चों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए जनजातीय कार्य विभाग भी अपने स्तर पर लगातार प्रयास कर रहा है। हाल ही में जनजातीय कार्य विभाग के सभी स्कूलों में बच्चों की खेल अभिरूचियों के विकास के लिए खेल मैदान बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग को एकलव्य विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर, आदर्श आवासीय विद्यालय एवं सीएम राईज स्कूल में पढ़ने वाले दिव्यांग छात्र-छात्राओं को 40 प्रतिशत तक की दिव्यांगता होने पर फ्री मोटोराईज्ड साईकिल उपलब्ध कराने को कहा है।

प्रदेश में सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को उच्च स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने हर जिले के सरकारी स्कूलों में 110 नोडल खेल केन्द्रों की स्थापना की है। इन केन्द्रों के जरिये छात्र-छात्राओं को खेल अधो-संरचना के साथ उत्कृष्ट स्तर की खेल सामग्री और खेल प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस व्यवस्था से सरकारी स्कूलों में छात्र-छात्राओं के खेल प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। साथ ही विभिन्न स्तरों पर आयोजित होने वाली शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की सहभागिता में भी बढ़ोतरी हुई है। हाल ही में विभिन्न नोडल केन्द्रों के करीब 200 खिलाड़ियों ने राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता कर विभिन्न खेलों में 80 पदक प्राप्त किये।

राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रदेश के खिलाड़ियों ने विभिन्न विधाओं में सहभागिता की। पिछले वर्ष 67वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में 14, 17 और 19 वर्ष से कम आयु वर्ग की प्रतियोगता में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने 7 खेलों में 26 स्वर्ण, 13 रजत और 14 कांस्य समेत कुल 53 पदक प्राप्त किये। स्कूलों में खेलों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने के लिये कक्षा 9वीं से 12वीं तक आवासीय खेलकूद संस्थान, सीहोर में संचालित किया जा रहा है। इस आवासीय संस्थान में 200 सीट निर्धारित है। विद्यार्थी यहां विद्यालय में 4 वर्ष तक पढ़ाई के साथ अपनी रूचि के खेलों का भी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस आवासीय संस्थान के विद्यार्थियों का विभिन्न खेल प्रतियोगितायों में श्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है।

क्रिकेट की बात करें तो मध्य प्रदेश के कई खिलाड़ी आज राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम रोशन कर चुके हैं। आईपीएल में रजत पाटीदार, वेंकटेश अय्यर जैसे खिलाड़ियों ने अपने खेल के दम पर लोगों का दिल जीता है। हाल ही में ग्वालियर में 14 साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेला गया था। भारत बांग्लादेश के बीच टी-20 श्रृंखला का पहला मैच हाल ही में बने श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। इस मैच को देखने और कवरेज करने के लिए देश-विदेश से कई मीडिया संस्थान और क्रिकेट जगत से जुड़ी हस्तियां और अन्य लोग यहां आए थे।

कुल मिलाकर मध्य प्रदेश में खेलों के विकास के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए उनकी खेल प्रतिभाएं निखारने के लिए उन्हें हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध करा रही हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव के एक साल के कार्यकाल में यहां खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं, जिससे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका मिल रहा है। इस साल राष्ट्रीय स्तर की शालेय खेल प्रतियोगिताएं भी मध्य प्रदेश में हो रही हैं और इनमें देशभर के खिलाड़ियों के साथ मध्य प्रदेश के खिलाड़ी भी सहभागिता कर रहे हैं।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

## यूईएफए महिला यूरो 2025 ड्रा: ग्रुप चरण में इटली, बेल्जियम, पुर्तगाल से खेलेगा विश्व चैंपियन स्पेन

एजेंसी

**नई दिल्ली।** विश्व कप विजेता स्पेन महिला यूरो 2025 टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में इटली, बेल्जियम और पुर्तगाल से खेलेगा, जिसका ड्रॉ लुसाने में निकाला गया। मौजूदा यूरोपीय चैंपियन और 2023 विश्व कप उपविजेता इंग्लैंड को फ्रांस, नीदरलैंड और वेल्स के साथ रखा गया है।।2022 के संस्करण में, इंग्लैंड ने फाइनल में जर्मनी को 2-1 से हराया। एला टून और क्लो केली ने थ्री लॉयनेसेस के लिए गोल करके टीम को अपनी पहली बड़ी ट्रॉफी जीतने में मदद की थी। 2025 का संस्करण 2 से 27 जुलाई के बीच स्विट्जरलैंड में खेला जाएगा। यह पहली बार होगा जब देश टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। मेजबान को नॉर्वे, आइसलैंड और फिनलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। इसके अलावा, महिला यूरो 2025 में भाग लेने वाली खिलाड़ियों को पहली बार पुरस्कार राशि का एक प्रतिशत मिलेगा।

**यूईएफए महिला यूरो 2025 समूह-**

समूह एः स्विटजरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड, फिनलैंड
समूह बीः स्पेन, पुर्तगाल, बेल्जियम, इटली
समूह सीः जर्मनी, पोलैंड, डेनमार्क, स्वीडन
समूह डीः फ्रांस, इंग्लैंड, वेल्स, नीदरलैंड

## अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली महाराष्ट्र की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं अनिका

**नई दिल्ली।** महज 14 साल की उम्र में, गोल्डन गर्ल ऑफ पुणे के नाम से मशहूर अनिका दुबे ने एक असाधारण उपलब्धि हासिल की है- उन्होंने एशियाई स्क्वैश टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाई है, जो फरवरी 2025 में हांगकांग में होने वाली है। यह उपलब्धि उन्हें इस तरह के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली महाराष्ट्र की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनाती है।अनिका का इस मुकाम तक पहुंचना किसी प्रेरणा से कम नहीं है। अपने नाम तीन राष्ट्रीय खिताब के साथ, वह महाराष्ट्र के पुणे की सबसे सफल जूनियर स्क्वैश खिलाड़ी बन गई हैं, उन्होंने नए रिकॉर्ड बनाए हैं और दूसरों के लिए एक राह बनाई है। खेल के प्रति उनका समर्पण, अनुशासन और प्यार उनके द्वारा खेले गए हर मैच में स्पष्ट दिखाई देता है, जिसने उन्हें भारत की सबसे प्रतिभाशाली युवा प्रतिभाओं में से एक के रूप में स्थापित किया है। अनिका ने कहा, भारत के लिए खेलना एक सपने के सच होने जैसा है। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना और वर्षों से की गई कड़ी मेहनत को प्रदर्शित करना मेरे लिए सम्मान की बात है।

## किमगर्थ को आचार संहिता के उल्लंघन के लिए आईसीसी ने लगाई फटकार

**नई दिल्ली।** ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी किम गर्थ को पर्थ में भारत के खिलाफ आईसीसी महिला चैम्पियनशिप श्रृंखला के तीसरे एकदिनी मुकाबले के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल-1 का उल्लंघन करने के लिए फटकार लगाई गई है। किम गार्थ को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो एक अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान श्रव्य अश्लीलता के उपयोग से संबंधित है। इसके अलावा, गार्थ के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक अवगुण अंक जोड़ा गया है, जिसके लिए 24 महीने की अवधि में यह पहला अपराध था। यह घटना भारत की पारी के चौथे ओवर में घटी, जब गार्थ ने चौका लगने के बाद अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर गार्थ ने अपराध स्वीकार कर लिया और एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के डेविड गिल्बर्ट द्वारा प्रस्तावित मंजूरी को स्वीकार कर लिया। ऐसे में औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं रही थी। मैदानी अंपायर क्लेयर पोलोसाक और जैकलीन विलियम्स, तीसरे अंपायर एलोइस शेरिडन और चौथे अंपायर एशली गिबन्स ने आरोप लगाया था। लेवल-1 के उल्लंघनों में न्यूनतम जुर्माना आधिकारिक फटकार, अधिकतम जुर्माना खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत और एक या दो अवगुण अंक होते हैं।

## पंजाब एफसी अपने अगले मुकाबले में ईस्ट बंगाल के खिलाफ जीत की राह पर लौटने के लिए तैयार

**कोलकाता।** पंजाब एफसी विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के अगले मुकाबले में संघर्ष कर रही ईस्ट बंगाल एफसी के खिलाफ तीन अंक हासिल करने का लक्ष्य लेकर उतरेगी। अंक तालिका में पांचवें स्थान पर काबिज पंजाब एफसी यदि यह मैच जीतती है, तो वह तीसरे स्थान पर पहुंच सकती है। वहीं, 11वें स्थान पर मौजूद ईस्ट बंगाल इस सीजन अब तक 10 में से केवल दो मैच ही जीत पाई है। पंजाब के खाते में 10 मैचों में 18 अंक हैं, जबकि ईस्ट बंगाल ने इतने ही मैचों में सिर्फ 7 अंक जुटाए हैं। मैच से पहले पंजाब एफसी के मुख्य कोच पनागियोटिस डिल्पेरिस ने कहा, ईस्ट बंगाल के खिलाफ यह मुकाबला बराबरी का होगा। हमारे लिए हर मैच खुद को लीग में शीर्ष पर बनाए रखने का बेहतरीन मौका है। हमारी टीम की प्रगति एक निश्चित संरचना के तहत हो रही है और हर दिन बेहतर बनने की चाहत के साथ हमारे लिए परिणाम धीरे-धीरे सकारात्मक हो रहे हैं।

# दिल्ली की दबंगई, बंगाल वारियर्स को बड़े अंतर से हराकर प्लेआफ के लिए किया क्वालीफाई

एजेंसी

**पुणे।** दबंग दिल्ली केसी ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के सीजन के 115वें मैच में बंगाल वारियर्स को एकतरफा अंदाज में 47-25 के अंतर से हराकर प्लेआफ के लिए क्वालीफाई कर लिया है। दूसरी ओर, बंगाल का प्लेआफ में जाने की उम्मीदें खत्म हो गई हैं। बंगाल की टीम आशू मलिक (17) के सामने पूरी तरह बेबस नजर आई और 19 मैचों में 11वीं हार को मजबूर हुई। दूसरी ओर, बीते 13 मैचों से अजेय दिल्ली ने 20 मैचों में 11वीं जीत दर्ज की। इस मैच में दिल्ली ने रेड में 12 के मुकाबले 22 जबकि डिफेंस में 13 के मुकाबले 19 अंक लिए। बंगाल के लिए विश्वास (8) और नितेश (5) ही प्रभावित कर सके। प्लेआफ का टिकट कटाने के लिए बेताब दिल्ली ने तीन मिनट के भीतर ही 5-2 की लीड बना ली। इसके बाद हालांकि मयूर ने आशीष को लपक बंगाल को बड़ी सफलता दिलाई लेकिन दिल्ली ने जल्द ही 7-4 की

लीड ले ली। इस बीच नवीन ने मयूर को बाहर कर हिसाब बराबर किया और फिर आशू ने सिद्धेश का शिकार कर लिया। मनिंदर के बगैर खेल रही बंगाल को विश्वास लगातार मुकाबले में बनाए हुए थे। और अब फजल ने भी हाथ खोल दिए थे। नवीन को लपक फजल ने 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 7-9 कर दिया। लेकिन ब्रेक के बाद आशू की सुपर डुपर रेड ने मैच का पासा पलट दिया। दिल्ली ने बंगाल को पहली बार आलआउट कर 17-8 की लीड ले ली।

आलइन के बाद भी दिल्ली ने लगातार तीन अंक हासिल किए और फासला 12 का कर दिया। इसी बीच आशू ने सुपर-10 पूरा किया। दिल्ली के डिफेंडरों ने विश्वास का शिकार कर स्कोर 23-9 किया और फिर आशीष ने सिद्धेश को आउट कर सुपर टैकल आन किया और फिर हाफटाइम तक 26-9 की लीड ले ली। बंगाल आलआउट की कगार पर थे। हाफटाइम के तुरंत बाद दिल्ली ने दूसरा आलआउट लेकर 29-10 की लीड बना ली। आलइन के बाद दिल्ली की टीम और आक्रामक हो गई। उसने जल्द ही अपनी लीड 35-10 करते हुए बंगाल के लिए फिर से सुपर टैकल आन कर दिया। नितेश ने इस बार हालांकि आशू को सुपर टैकल कर लिया और इसके बाद भी बंगाल ने एक अंक लेकर स्कोर 13-35 कर दिया। इसके बाद हालांकि बंगाल ने अच्छा खेल दिखाया और 30 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 18-38 कर दिया और साथ ही दिल्ली को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। दिल्ली ने हालांकि इस स्थिति से खुद को निकाला और 42-19 की लीड ले ली। यहां से दिल्ली की जीत लगभग तय नजर आ रही थी।

इस बीच योगेश ने हाई-5 पूरा किया। बंगाल के लिए नितेश भी हाई-5 पूरा कर चुके थे। अंतिम मिनट में बंगाल ने दिल्ली को सुपर टैकल सिचिएशन में धकेला लेकिन वे आलआउट नहीं ले सके और एक बड़ी हार के साथ प्लेआफ की दौड़ से बाहर हुए। दूसरी ओर, दिल्ली की टीम 6 सीजन से लगातार प्लेआफ के लिए क्वालीफाई करने में सफल रही।

## मनिका बत्रा की टीम एशिया ने पहला वाल्डनर कप 2024 जीता

एजेंसी

**ओस्लो (नार्वे)।** भारतीय टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा की टीम एशिया ने रविवार को टीम वर्ल्ड को हराकर वाल्डनर कप टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2024 में जीत दर्ज की। टीम एशिया ने टीम वर्ल्ड को 14-0 से शिकस्त दी। दो दिवसीय वाल्डनर कप के लिए टीम एशिया में भारत की मनिका बत्रा के अलावा चीन की मा लोंग और चेन मेंग, दक्षिण कोरिया शिन यूबिन, कजाकिस्तान के किरिल गेरासिमेंको शामिल थीं।

टीम वर्ल्ड में ट्रूल्स मोरेगार्ड, दिमित्रिज ओवत्चारोव, ह्यूगो काल्डेरानो, एड्रियाना डियाज और बर्नाडेट स्जोक्स खिलाड़ी थे। मनिका बत्रा ने दो मैच खेले और उसे दोनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा।

# उप्र के तेज गेंदबाज अंकित राजपूत ने भारतीय क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी

**लखनऊ।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पांच टीमों का हिस्सा रहे उत्तर प्रदेश के अनुभवी तेज गेंदबाज अंकित राजपूत ने भारतीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। राजपूत ने विदेशी फ्रैंचाइजी क्रिकेट में मिलने वाले अवसरों को ध्यान में रखते हुए भारतीय क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा की। राजपूत ने आज सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट में लिखा, आज अपार कृतज्ञता और विनम्रता के साथ मैं अपने भारतीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। मेरी 2009 से 2024 की यात्रा मेरे जीवन का शानदार हिस्सा रहा है। मैं बीसीसीआई, उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ, कानपुर क्रिकेट संघ और आईपीएल फ्रैंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइटराइडर्स, किंग्स 11 पंजाब, राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने मुझे खिलाने का मौक़ा दिया। साथ ही मैं अपने टीम के साथियों, कोच, ख़ासतौर पर

फीजियो डॉ. सैफ नकवी, मेरे कोच शशि सर और सहायक स्टाफ का धन्यवाद करता हूं। मैं सच में सम्मान की बात है कि मैं आप सभी के साथ खेला और धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मेरे सपने को पूरा करने में मेरा साथ दिया। मैं अपने प्रशंसकों का भी धन्यवाद करता हूं जिन्होंने मेरे पूरे करियर में मेरा समर्थन किया और मुझे आत्मविश्वास दिया। मैं अपने परिवार और दोस्तों का भी धन्यवाद करता हूं जिन्होंने मेरे पूरे करियर में मुझे इतना प्यार दिया। वे मेरी रीढ़ की हड्डी रहे हैं, उनके बिना मैं जो आज हूं वह नहीं हो पाता। उन्होंने कहा ,मुझे यह बताते हुए बेहद प्रसन्नता हो रही है कि अब मैं विश्व क्रिकेट में अपने अवसरों का भुना पाऊंगा, जहां मैं उस खेल से जुड़ पाऊंगा जिसे मैंने बहुत प्यार दिया है। यह मेरे लिए अलग चुनौती और अलग माहौल होगा। मुझे विश्वास है कि यह बतौर क्रिकेटर मेरी यात्रा में मेरी जिंदगी का नया अध्याय होगा। मैं अपनी सभी टीमों के साथियों को शुभकामनाएं देता हूं। इतनी सारी यादें देने के लिए शुक्रिया। उत्तर प्रदेश ने 2016 में सुरेश रैना की कप्तानी में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब जीता था। इस टूर्नामेंट राजपूत ने 14.21 की औसत से 14 विकेट लिए थे।

## इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका पर बनाई 145 रन बढ़त

एजेंसी

**ब्लूमफोंटेन।** माया बाउचियर (126) और नेट साइबर ब्रंट (128) रनों की शतकीय पारियों की बदौलत इंग्लैंड की महिला टीम ने नौ विकेट पर 395 रन पर पारी घोषित करने के बाद लॉरेन बेल (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 281 रनों पर ढ़ेर कर 114 रनों की बढ़त हासिल करने के बाद दूसरी पारी में एक विकेट पर 31 रन बना लिये है और उसकी कुल बढ़त 145 रनों की हो गई हैं। इससे पहले माया बाउचियर (126) और नेट साइबर ब्रंट (128) रनों की शतकीय पारियों के दम पर इंग्लैंड की महिला टीम ने नौ विकेट पर 395 रन बनाने के बाद पारी घोषित कर दी। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट मैच के दूसरे दिन 92 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर अपनी पहली पारी 395 रन बनाकर घोषित कर दी। माया बाउचियर ने 154 गेंदों में 22 चौके और दो छक्के लगाते हुए (126) रनों की पारी खेली। वहीं नेट साइबर ब्रंट ने 145 गेंदों में 18 चौके लगाते हुये (128) रन बनाये। इनके अलावा एमी जोंस (39), कप्तान हीथर नाइट (20), टैमी बोमॉन्ट (21) और सोफी एकल्सटन (21) रन बनाकर

आउट हुई। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एन म्लाबा ने चार विकेट लिये। अयांडा हलुबी ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। मैरिजान कैप्प और टुमी सेखुखुने ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 21 के स्कोर पर अन्नेका बोश (छह) का विकेट गवां दिया। दिन का आखिरी विकेट अनरी डर्कसन (41) के रूप में गिरा। इसके बाद 46वें ओवर में कप्तान लॉरा वुलफार्ट (65)रन बनाकर आउट हुई। उन्हें सोफी एकल्सटन ने पगबाधा आउट किया। मैरिजान कैप्प (57) और सुने लूस (56) के 99 रनों की साझेदारी हुई। क्लोई ट्राइऑन (20) बनाकर आउट हुई। सिनालो जाफ्टा (आठ), एन म्लाबा (शून्य) और अयांडा हलुबी (एक) रन बनाकर आउट हुई। टुमी सेखुखुने (सात) रन बनाकर नाबाद रही। दक्षिण अफ्रीका की टीम पूरी टीम 88.4 ओवर में 281 रनों पर ढ़ेर हो गई।इंग्लैंड की महिला टीम की ओर से लॉरेन बेल ने चार विकेट लिये। लॉरेन फाइलर,रायना मैकडॉनल्ड-गे ने दो-दो बल्लेबाज को आउट किया। सोफी एकल्सटन को एक विकेट मिला। दिन का खेल समाप्त होने के समय इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 14 ओवर में एक विकेट खोकर 31 रन बना लिये है और उसकी कुल बढ़त 145रनों की हो गई है। टैमी बोमॉन्ट (नाबाद आठ) और हीथर नाइट (नाबाद 19) रन बनाकर क्रीज पर है। माया बाउचियर (शून्य) को अयांडा हलुबी ने आउट किया।

# नीता अंबानी ने मुंबई इंडियंस के नये खिलाड़ियों का टीम में किया स्वागत

एजेंसी

**मुंबई।** मुंबई इंडियंस की मालकिन नीता एम. अंबानी ने वूमेंस प्रीमियर लीग 2025 के लिए मुंबई इंडियंस की नई महिला टीम के सदस्यों स्वागत किया। बेंगलुरु में हुई नीलामी के बाद नीता अंबानी ने कहा, आज हमने जो टीम बनाई है, उससे हम सभी बहुत खुश और संतुष्ट हैं। मुझे कमलिनी, नादिन डी क्लार्क, संस्कृति गुप्ता और अक्षिता माहेश्वरी के मुंबई इंडियंस परिवार का हिस्सा बन जाने पर गर्व है।

चार नए खिलाड़ी जिन्हें मुंबई इंडियंस में शामिल किया गया है, उनमें तमिलनाडु की 16 वर्षीय कमलिनी अंडर 19 एशिया कप

में पाकिस्तान के खिलाफ भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका की ऑलराउंडर नादिन डी क्लार्क, मध्य प्रदेश की ऑलराउंडर संस्कृति गुप्ता और राजस्थान की तेज गेंदबाज अक्षिता माहेश्वरी को शामिल हैं।

नीता अंबानी ने एक संदेश में चारों नए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा, हम मुंबई इंडियंस परिवार में आपका हार्दिक स्वागत करते हैं। मुंबई इंडियंस हमेशा युवा प्रतिभाओं की खोज और विकास करने की कोशिश करता रहा है। पिछले साल, हमने नीलामी में सजाना को चुना था। उसे टीम इंडिया के लिए खेलते देखना अद्भुत है। उन्होंने कहा, इस साल हम 16 वर्षीय कमलिनी को लेकर बहुत उत्साहित हैं। पिछले कुछ समय से हम उनके खेल पर नजर रख रहे थे और वह एक बहुत ही रोमांचक नई प्रतिभा है।

## स्टेट बैंक इंटर सर्कल वॉलीबॉल टूर्नामेंट में तिरुवनंतपुरम मंडल की टीम विजयी

एजेंसी

**लखनऊ।** जयपुर को तिरुअनंतपुरम मंडल की टीम ने 3-1 से हरा कर स्टेट बैंक वॉलीबॉल टूर्नामेंट के कप पर कब्जा कर लिया। खेले गए सेमीफाइनल मैच में कड़े संघर्ष से जयपुर ने चेन्नई को 3-1 से तथा तिरुअनंतपुरम ने अमरावती को 3-0 से पछाड़कर फाइनल में अपना स्थान बनाया। फिर फाइनल की भिड़ंत जयपुर तथा तिरुवंतपुरम के बीच हुये मैच में तिरुअनंतपुरम मंडल की टीम ने 3-1 से विजयश्री प्राप्तकर स्टेट बैंक वॉलीबॉल टूर्नामेंट के कप पर कब्जा किया। दूसरे तथा तीसरे स्थान पर क्रमशः जयपुर मंडल तथा चेन्नई मंडल की टीमें रही। स्टेट बैंक के उप महाप्रबंधक (एचआर) बिनोद कुमार मिश्रा ने विजेताओं ने ट्राफी प्रदान की। उन्होने कहा कि जीत-हार से अधिक महत्वपूर्ण स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का प्रदर्शन है। यह ध्येय वाक्य हमें सफलता की ओर ले जाएगा।

## अगले वर्ष विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर इवेंट की मेजबानी करेगा भारत

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारत अगले साल 10 अगस्त को पहली बार विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर स्तर के आयोजन की मेजबानी करेगा। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने उक्त जानकारी दी। एएफआई के 2025 सीज़न के प्रतिस्पर्धी कैलेंडर के अनुसार, कांस्य स्तर का कॉन्टिनेंटल टूर एथलेटिक्स इवेंट भुवनेश्वर में होगा। इस मीट को इंडियन ओपन नाम दिया गया है। कॉन्टिनेंटल टूर ट्रैक और फील्ड प्रतियोगिताओं की एक वार्षिक श्रृंखला है, जो कि एलीट-लेवल डायमंड लीग के बाद वैश्विक बैठकों के दूसरे स्तर के अंतर्गत आती है। इसे 2020 में वर्ल्ड चैलेंज सीरीज़ के उत्तराधिकारी के रूप में लॉन्च किया गया था और इसमें चार स्तर, स्वर्ण, रजत, कांस्य और चैलेंजर शामिल हैं। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार, एएफआई के अध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने कहा, कॉन्टिनेंटल टूर भारतीय टीम के लिए सितंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले घरेलू मैदान पर अपनी क्षमता दिखाने का एक अच्छा अवसर होगा। टोक्यो में 13-21 सितंबर तक आयोजित होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 अगले साल की शीर्ष एथलेटिक्स प्रतियोगिता होगी। पिछली बार भारत ने इस तरह के अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स आयोजन की मेजबानी 2017 में की थी, जब भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप आयोजित की गई थी। भारत ने पुणे में बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 2013 एशियाई चैंपियनशिप की भी मेजबानी की थी। हरियाणा में 21 से 24 अप्रैल तक आयोजित होने वाला सीनियर नेशनल फेडरेशन कप मई में दक्षिण कोरिया में होने वाली एशियाई एथलेटिक चैंपियनशिप के लिए क्वालीफिकेशन इवेंट होगा।

भारत का 2025 घरेलू एथलेटिक्स सत्र 12 जनवरी से उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय क्रॉस-कंट्री चैंपियनशिप, फरवरी में राष्ट्रीय अंतर-जिला एथलेटिक्स मीट और मार्च में आयोजित होने वाली इंडियन ओपन थ्रो और जंप प्रतियोगिताओं के साथ शुरू होगा। सुमरिवाला ने कहा, एएफआई ने अगले साल से क्षेत्रीय प्रतियोगिता भी शुरू की है, ताकि हाशिये पर मौजूद एथलीटों को अधिक अवसर मिल सके। क्षेत्रीय प्रतियोगिताएं अप्रैल में शुरू होंगी।

## सीएएफ अफ्रीकी पुरुष फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुने गए नाइजीरिया के फॉरवर्ड एडेमोला लुकमैन

एजेंसी

**माराकेच, (मोरक्को)।** नाइजीरिया के फॉरवर्ड एडेमोला लुकमैन को माराकेच में अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ (सीएएफ) पुरस्कारों में 2024 का अफ्रीकी फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुना गया है। लुकमैन को पिछले 12 महीनों में इतालवी टीम अटलांटा एफसी और अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बाद यह पुरस्कार दिया गया। 27 वर्षीय फॉरवर्ड विक्टर ओसिमेन के 2023 में यह उपलब्धि हासिल करने के बाद यह पुरस्कार जीतने वाले दूसरे नाइजीरियाई खिलाड़ी बन गए। लुकमैन ने मोरक्को के फुल-बैक अचरफ हकीमी, दक्षिण अफ्रीका के गोलकीपर रोनवेन विलियम्स, बोरुसिया डॉर्टमुंड के फॉरवर्ड सेरहौ गुइरासी और ब्राइटन के इवोरियन विंगर साइमन एडिंगरा को पीछे छोड़ते हुए यह पुरस्कार जीता है। ईएसपीएन के अनुसार ट्रॉफी उठाते समय लुकमैन ने कहा, यह पुरस्कार एक वरदान है, अफ्रीका में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में पहचाना जाना अविश्वसनीय बात है। चार साल पहले, मेरा करियर खत्म हो गया था, लेकिन अब मैं अफ्रीका में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में यहां हूं। अपनी असफलताओं को अपने सपनों को रोकने न दें। लुकमैन ने यूरोपा लीग के फाइनल में अटलांटा के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने हैट्रिक लगाकर अटलांटा को अपना पहला यूरोपीय सिल्वरवेयर और क्लब के 117 साल के इतिहास में दूसरी बड़ी ट्रॉफी दिलाई। वैश्विक मंच पर, लुकमैन ने तीन गोल करके नाइजीरिया को 2024 अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के फाइनल में पहुंचाया। सेबेस्टियन हॉलर के आखिरी समय में किए गए गोल के बाद उनकी टीम ट्रॉफी से चूक गई, जिसने आइवरी कोस्ट को खिताब दिलाया।

## ऑस्ट्रेलिया को लगा बड़ा झटका, चोट के चलते मैदान से बाहर हुए हेजलवुड

एजेंसी

**ब्रिसबेन।** भारत के खिलाफ गाबा में चल रहे तीसरे टेस्ट के चौथे दिन मंगलवार को ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए हैं। हेजलवुड को वापस मैदान पर बुलाने का ऑस्ट्रेलिया का फैसला पूरी तरह से गलत साबित हुआ, क्योंकि ड्रिंक्स ब्रेक के बाद उन्हें चोट लगने का संदेह था। हेजलवुड अपनी लय से बाहर दिखे और तीसरे दिन अपनी लाइन और लेंथ को देखते हुए अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते दिखे। उन्होंने सिर्फ एक ओवर फेंका और खास तौर पर पहली गेंद के बाद संघर्ष करते दिखे।

हेजलवुड ने असामान्य रूप से कम गति से शॉर्ट और वाइड गेंद फेंकी, जिसकी स्पीड गन 128 किमी प्रति घंटे की थी। हेजलवुड ने ओवर पूरा करने के बाद ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान कप्तान पैट कमिंस, स्टीवन स्मिथ और फिजियोथेरेपिस्ट निक जोन्स के साथ चर्चा की। उल्लेखनीय रूप से, साइड स्ट्रेन के कारण हेजलवुड एडिलेड में

दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में हेज़लवुड की चोट की गंभीरता को रेखांकित किया। ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड ने पुष्टि की कि अनुभवी पेस-गन को कम-ग्रेड की बाईं ओर चोट लगी है। टेस्ट के दौरान, हेजलवुड अपनी रिकवरी से उबरने के लिए एडिलेड में टीम के साथ रहे। जैसे ही श्रृंखला एडिलेड से ब्रिस्बेन में स्थानांतरित हुई, उनकी उपलब्धता को लेकर चिंताएँ थीं। हालाँकि, ऑस्ट्रेलियाई प्रबंधन ने हेज़लवुड को वापस लाने का फैसला किया और उनके सीमित ओवरों में सफलता हासिल की। हेजलवुड ने छह ओवर फेंके, 3.70 की इकॉनमी से 22 रन दिए और 'चेस मास्टर' विराट कोहली का सबसे महत्वपूर्ण विकेट लिया।

# अयान और देवांक ने मेजबान पल्टन को फिर किया बेपटरी, शानदार जीत के साथ तीसरे स्थान पर पहुंचे पटना पाइरेट्स

एजेंसी

**पुणे।** देवांक (11) और अयान (9) के अलावा डिफेंस में शुभम (5) तथा अंकित (4) के शानदार प्रदर्शन क बदौलत तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के सीजन के 116वें मैच में मेजबान पुनेरी पल्टन को 37-32 के स्कोर से हराकर अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। पटना को 19वें मैच में 12वीं जीत मिली। उस एक पायदान का फायदा हुआ। दूसरी ओर, घर में लगातार तीन हार के बाद पिछले मैच में जीत का स्वाद चखने वाली पल्टन फिर बेपटरी हो गई। पल्टन के पास हालांकि अभी भी प्लेआफ में जाने का मौका है लेकिन यह काफी मुश्किल है। पल्टन के लिए अबिनेश ने सात जबकि आकाश और अमन ने 6-6 अंक लिए। पिछले मैच की जीत से उत्साहित पल्टन ने शुरुआती तीन मिनट में 3-1 की लीड ले ली थी। इसमें दो बार देवांक और एक बार अयान का शिकार शामिल है। चार मिनट में रेडिंग में किसी का खाता नहीं खुला था लेकिन पंकज ने दीपक को गच्चा देकर इसकी शुरुआत की। पल्टन 4-2 से आगे थे। इसके बाद हालांकि अयान ने भी रेडिंग में पटना का खाता खोल दिया। अयान ने अगली रेड पर देवांक को रिवाइव कराया और आते ही देवांक ने गौरव को आउट कर स्कोर 6-6 कर दिया। अयान ने अगली रेड पर भी अंक लिया और पल्टन को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया।देवांक भी अब चलने लगे थे। उन्हें और अयान को पुणे का डिफेंस लगातार अंक दे रहा था और यही कारण था वे आलआउट की कगार पर थे लेकिन अबिनेश ने बोनस के साथ एक रिवाइवल ले लिया। और फिर पंकज तथा अबनेश ने देवांक को सुपर टैकल कर स्कोर 13-10 कर लिया। शुभम ने अगली रेड पर पंकज को आउट कर पल्टन को फिर आलआउट की ओर धकेला। अयान ने दादासो का शिकार किया लेकिन अबिनेश ने दूसरी बार बोनस के साथ रिवाइवल ले लिया। अकेले बचे अबिनेश ने अगली रेड पर बोनस लिया। उनकी बदौलत पल्टन ने 16-13 स्कोर पर पाला बदला। अगली रेड पर हालांकि अबिनेश लपके गए और इस तरह पटना ने आलआउट लेकर स्कोर 16-17 कर दिया। इसके बाद पटना ने देवांक के दो मल्टीप्वाइंटर्स की मदद से 3 अंक की लीड ले पल्टन को एक बार फिर आलआउट की ओर धकेल दिया। अमन ने हालांकि देवांक को सुपर टैकल कर स्कोर 21-22 कर दिया। पल्टन लगातार सुपर टैकल पर खेल रहे थे। अमन ने इस बार अयान को लपक न सिर्फ हाई-5 पूरा किया बल्कि स्कोर 23-23 कर दिया। देवांक ने हालांकि अगली रेड पर पल्टन को आलआउट कर 28-24 की लीड ले ली। देवांक ने इसी के साथ सुपर-10 पूरा किया। पल्टन ने हालांकि आलइन के बाद देवांक का शिकार कर लिया।ब्रेक के बाद पटना ने एक के मुकाबले तीन अंक लेकर स्कोर 31-26 कर दिया लेकिन पंकज और अमन ने फासला 3 का कर दिया। पटना ने जल्द ही चार की लीड ले और फिर डू ओर डाई रेड पर अयान के बोनस से फासला 5 का किया और फिर गुरदीप ने आकाश को लपक स्कोर 34-28 कर दिया। अब सिर्फ सवा दो मिनट बचे थे। इसी बीच अयान ने अमन और अबिनेश का शिकार कर फासला 8 का किया लेकिन आर्यवर्धन ने मल्टीप्वाइंटर के साथ स्कोर 30-36 कर दिया। अगली रेड पर हालांकि वह लपक लिए गए। अब पल्टन के पास समय कम बचा था और इस तरह वे 20 मैचों में नौवीं हार को मजबूर हुए।

## ममता मशीनरी का आईपीओ 19 दिसंबर को खुलेगा

**अहमदाबाद।** ममता मशीनरी लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 19 दिसंबर को खुलेगा। कंपनी की ओर से यहां जारी बयान के अनुसार ममता मशीनरी लिमिटेड (एमएमएल) गुरुवार, 19 दिसंबर को इक्विटी शेयरों के अपने आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के संबंध में बोली प्रस्ताव अवधि खोलेगी। ऑफर का मूल्य बैंड 230 से ??243 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। मूल्य बैंड में प्रति इक्विटी शेयर 12 रुपये की छूट शामिल है, जो कर्मचारी आरक्षण हिस्से में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को दी जा रही है। न्यूनतम 61 इक्विटी शेयरों के लिए तथा उसके बाद 61 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगाई जा सकती हैं। एंकर निवेशक बोली/प्रस्ताव अवधि बुधवार, 18 दिसंबर को खुलेगी और बंद होगी। बोली/प्रस्ताव अवधि सदस्यता के लिए गुरुवार, 19 दिसंबर को खुलेगी और सोमवार, 23 दिसंबर को बंद होगी। इक्विटी शेयरों के कुल प्रस्ताव आकार में प्रमोटर विक्रय शेयरधारकों द्वारा 73.82 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री (ओएफएस) तक की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है।

## पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

**नयी दिल्ली।** अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.80 प्रतिशत लुढ़ककर 70.72 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह इस दौरान लंदन ब्रेंट क्रूड 0.58 प्रतिशत उतरकर 74.06 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

## निर्यात पर नवंबर में पेट्रोलियम का असर, समग्र वार्षिक निर्यात 800 अरब डालर से ऊपर रहेगा: सुनील बर्थवाल

**नई दिल्ली।** देश से पेट्रोलियम उत्पाद साहित वाणिज्यिक वस्तुओं के निर्यात में नवंबर, 2024 में सालाना आधार पर 4.85 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद सरकार को विश्वास है कि चालू वित्त वर्ष में मार्च 2025 के अंत तक देश का समग्र वस्तु एवं सेवा निर्यात 800 अरब डालर को अच्छी तरह पार कर जायेगा। वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि नवंबर में वस्तु निर्यात पर पेट्रोलियम की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में गिरावट का असर पड़ा है। प्रारंभिक सरकारी आंकड़ों के अुसार अप्रैल-नवंबर 2024 के दौरान संचयी समग्र निर्यात 7.61 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि के साथ 536.25 अरब डॉलर होने का अनुमान है, जबकि अप्रैल-नवंबर 2023 में यह आंकड़ा 498.33 अरब डॉलर था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रायल द्वारा जारी निर्यात-आयात के आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष नवंबर में भारत का वाणिज्यिक वस्तु निर्यात 4.85 प्रतिशत की गिरावट गिर कर 32.11 अरब डालर रहा। वाणिज्यक निर्यात नवंबर,2023 में 33.75 अरब डालर था। नवंबर में वाणिज्यक वस्तुओं का आयात एक वर्ष पहले के 55.06 अरब डालर से बढ़कर 69.95 अरब डालर पर पहुंच गया। नवंबर, 2024 में स्वर्ण आयात इसकी कीमतों में तीव्र उछाल के बीच भी 14.8 प्रतिशत के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया।

## अधिकांश खाद्य तेलों में तेजी; दालें सस्ती

**नई दिल्ली।** विदेशी बाजारों में गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग निलकने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में अधिकांश खाद्य तेल महंगे जबकि उठाव कमजोर रहने से दालें सस्ती हो गई वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जनवरी का पाम ऑयल वायदा 94 रिंगिट गिरकर 4900 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.93 सेंट लुढ़ककर 41.68 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में सरसों तेल में 146 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर अधिकांश खाद्य तेलों के भाव चढ़ गए। सूरजमुखी तेल 365 रुपये, सोया रिफाइंड 220 रुपये, पाम ऑयल 732 रुपये और वनस्पति तेल 368 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया वहीं मूंगफली तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस औरान गुड़ और चीनी के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। दाल-दलहन :दाल-दलहन के बाजार में गिरावट का रुख रहा। चना 100 रुपये, दाल चना 100 रुपये, मूंग दाल 100 रुपये, उड़द दाल 100 रुपये और अरहर दाल 50 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई।

# धनलक्ष्मी क्रॉप की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री, पहले दिन ही डबल हुए निवेशकों के पैसे

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** चना, कपास और गेहूं जैसी कई फसलों की हाई क्वालिटी बीज तैयार करने वाली कंपनी धनलक्ष्मी क्रॉप साइंस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 55 रुपये के भाव पर जारी हुए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 104.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर 109.70 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा लगभग डबल हो गया।

धनलक्ष्मी क्रॉप साइंस का 23.80 करोड़ रुपये का आईपीओ 9 से 11 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को

निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिससे ये ओवरऑल 555.83 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 197.65 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 1,241.27 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 441.18 गुना सब्सक्रिप्शन आया थाआईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 43.28 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने के साथ ही आम कॉर्पोरेट जरूरत को पूरा करने और इश्यू से जुड़े खर्चों को पूरा करने में करेगी। धनलक्ष्मी क्रॉप साइंस 2005 से ही चना, कपास, गेहूं जैसी 24 अलग अलग फसलों और सब्जियों के लिए हाई क्वालिटी बीज तैयार करती है। कंपनी का कारोबार देश के पांच राज्यों में फैला हुआ है। कंपनी की वित्तीय सेहत की बात करें तो 2021-22 में इसे 58.28 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था, जो अगले वर्ष 2022-23 में उछल कर 3 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जबकि 2023-24 में कंपनी का मुनाफा 4.65 करोड़ रुपये हो गया?। इस दौरान कंपनी का रेवेन्यू सालाना 34 प्रतिशत की चक्रवृद्धि दर से बढ़ कर 63.75 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से सितंबर के बीच की पहली छमाही में कंपनी को 8.21 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ और 119.96 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल हो चुका था।

## आईजीआईए से अब 150 गंतव्यों के लिए उड़ान सेवाएं उपलब्ध

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) 150 गंतव्यों के लिए उड़ान सेवाएं संचालित करने वाला देश का पहला एयरपोर्ट बन गया है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने यह जानकारी दी। डायल ने एक बयान में बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट 150 गंतव्यों तक संपर्क मुहैया कराने वाला देश का पहला हवाई अड्डा बन गया है। रविवार को थाई एयरएशिया एक्स ने दिल्ली और बैंकॉक-डॉन मुआंग (डीएमके) के बीच सीधी उड़ानें शुरू कीं, जो दिल्ली हवाई अड्डे से जुड़ा 150वां गंतव्य है। नए मार्ग पर हफ्ते में दो बार एयरबस ए330 विमानों के साथ संचालित होगा, जनवरी 2025 के मध्य तक आवृत्ति को सप्ताह में चार बार बढ़ाने की योजना है।

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली एयरपोर्ट ने 20 से ज्यादा एक्सक्लूसिव इंटरनेशनल डेस्टिनेशन जोड़े हैं। इन गंतव्यों में नोम पेन्ह, बाली डेनपसार, कैलगरी, मॉन्ट्रियल, वैंकूवर, वाशिंगटन डलेस, शिकागो ओ हारे और टोक्यो हनेडा शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भारत से सभी लंबी दूरी के गंतव्यों के लिए उड़ानों में 88 फीसदी गंतव्य राजधानी दिल्ली से जुड़े हुए हैं। भारत से प्रस्थान करने वाली सभी लंबी दूरी की साप्ताहिक उड़ानों में से 56 फीसदी दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से संचालित होती हैं।

## एचपीसीएल ने यूएलआईपी के साथ एपीआई के एकीकरण के लिए एनएलडीएस के साथ समझौता किया

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने अपने एपीआई को यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूएलआईपी) के साथ एकीकृत करने के लिए एनआईसीडीसी लॉजिस्टिक्स डेटा सर्विसेज लिमिटेड (एनएलडीएस) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी देश के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में पारदर्शिता, परिचालन दक्षता और नवाचार को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि इस समझौते पर एनआईसीडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) तथा एनएलडीएस के चेयरमैन रजत कुमार सैनी और एचपीसीएल के उत्तरी क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक अविनाश जैन की उपस्थिति में एनएलडीएस के सीईओ गिरीश कुमार सुपुर और एचपीसीएल के दिल्ली रिटेल क्षेत्र की महाप्रबंधक अंजू जय मिश्रा के बीच हस्ताक्षर किए हैं। यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म एक डिजिटल गेट-वे है, जो उद्योग जगत को एपीआई-आधारित एकीकरण के जरिए विभिन्न सरकारी प्रणालियों से लॉजिस्टिक्स-संबंधित डेटासेट

तक पहुंचने की अनुमति देता है। वर्तमान में ये प्लेटफॉर्म 125 एपीआई के माध्यम से 11 मंत्रालयों की 41 प्रणालियों के साथ एकीकृत है, जो 1800 से अधिक डेटा फील्ड को कवर करता है। यूएलआईपी में निजी क्षेत्र और सरकारी विभागों की भागीदारी इसके प्रभाव को बढ़ाने में सहायक रही है। उल्लेखनीय है कि यूएलआईपी पोर्टल www.goulip.in पर 1200 से ज्यादा संस्थाएं पंजीकृत हैं। इसके अतिरिक्त इन कंपनियों ने 150 से अधिक एप्लिकेशन विकसित किए हैं, जिससे 70 करोड़ से अधिक एपीआई लेन-देन हुए हैं।

# थोक महंगाई दर नवंबर महीने में घटकर 1.89 फीसदी पर आई

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** खुदरा के बाद थोक महंगाई दर में गिरावट आई है। सब्जियों और खाने-पीने के चीजों के दाम घटने से थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर नवंबर माह में घटकर 1.89 फीसदी पर आ गई है। इससे पिछले महीने अक्टूबर में यह 2.36 फीसदी थी। सितंबर में थोक महंगाई दर 1.84 फीसदी पर थी। पिछले वर्ष नवंबर में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित थोक महंगाई दर 0.39 फीसदी थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि नवंबर में खाद्य वस्तुओं की महंगाई घटकर 8.29 फीसदी पर आ गई है, जबकि अक्टूबर में यह 11.59 फीसदी थी। इसकी वजह सब्जियों की कीमतों में गिरावट रही, जो अक्टूबर में 63.04 फीसदी के मुकाबले नवंबर में घटकर 28.57 फीसदी पर आ गई है।मंत्रालय के मुताबिक प्याज की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज हुई है, जिससे नवंबर के दौरान 2.85 फीसदी की

गिरावट देखने को मिली है। इसी तरह फ्यूल और बिजली में भी नवंबर में 5.83 फीसदी की गिरावट देखी गई, जबकि अक्टूबर में यह 5.79 फीसदी पर थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की कैटेगिरी में महंगाई नवंबर महीने में बढ़कर 2 फीसदी हो गई है, जो अक्टूबर महीने में 1.50 फीसदी थी। हालांकि, आलू की महंगाई 82.79 फीसदी के उच्चतम स्तर पर बनी रही। नवंबर माह में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर 5.48 फीसदी पर थी।

## देश का निर्यात नवंबर में 4.85 फीसदी घटकर 32.11 अरब डॉलर रहा

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** देश के वस्तुओं का निर्यात नवंबर में 4.85 फीसदी घटकर 32.11 अरब डॉलर रहा है। पिछले साल इसी महीने में 33.75 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था। वहीं, नवंबर में आयात 27 फीसदी बढ़कर 69.95 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 55.06 अरब डॉलर रहा था। इस तरह नवंबर में व्यापार घाटा (आयात और निर्यात) के बीच का अंतर बढ़कर 37.84 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि देश के वस्तुओं का निर्यात नवंबर में 4.85 फीसदी घटकर 32.11 अरब डॉलर रहा है। इससे पिछले महीने अक्टूबर में भारत का वस्तुओं का निर्यात 17.25 फीसदी बढ़कर 39.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया था। वहीं, नवंबर के लिए भारत का कुल निर्यात (वस्तुएं और सेवाएं संयुक्त) 67.79 अरब यूएस डॉलर होने का अनुमान है, जो नवंबर 2023 की

तुलना में 9.59 फीसदी की सकारात्मक वृद्धि दर्ज करता है। मंत्रालय के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-नवंबर के दौरान देश का निर्यात 2.17 फीसदी बढ़कर 284.31 अरब डॉलर और आयात 8.35 फीसदी बढ़कर 486.73 अरब डॉलर हो गया है। वहीं, अप्रैल-नवंबर 2024 के दौरान देश का संचयी समग्र निर्यात 536.25 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है।

# आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

**एजेंसी**

**मुंबई/नई दिल्ली।** आनंद राठी समूह की 'ब्रोकरेज' शाखा आनंद राठी शेयर और स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है।यह समूह इस आईपीओ के जरिए 745 करोड़ रुपये जुटाना चाहता है। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के अनुसार आनंद राठी समूह की 'ब्रोकरेज' इकाई आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 550 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग दीर्घकालिक कार्यशील पूंजी को आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। कंपनी के इक्विटी शेयरों को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज

(एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स का 5 रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 745 करोड़ रुपये तक के शेयरों का नया निर्गम है। कंपनी के इस प्रस्ताव में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए आरक्षण शामिल है। यह इश्यू बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से जारी किया जा रहा है, जिसमें शुद्ध इश्यू का 50 फीसदी से अधिक योग्य संस्थागत खरीदारों को आवंटित नहीं किया जाता है। शुद्ध प्रस्ताव का 15 फीसदी और 35 फीसदी से कम हिस्सा क्रमशः गैर-संस्थागत और खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों को आवंटित नहीं किया जाता है।

आनंद राठी ग्रुप की ब्रोकरेज शाखा, आनंद राठी शेयर और स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड कंपनी भारत में 30 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ एक स्थापित पूर्ण-सेवा ब्रोकरेज हाउस है। यह 'आनंद राठी'ब्रांड नाम के तहत ब्रोकिंग, मार्जिन ट्रेडिंग और वित्तीय उत्पादों के वितरण सहित वित्तीय सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। कंपनी की निवेश पेशकशों में इक्विटी, डेरिवेटिव, कमोडिटीज और मुद्रा बाजार सहित परिसंपत्ति वर्गों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

# रुपये में हालिया गिरावट सबसे तीव्र गिरावट नहीं है: वित्त राज्यमंत्री

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया कि देश के विदेशी मुद्रा भंडार (एफईआर) में हालिया गिरावट देश के इतिहास में सबसे बड़ी गिरावट नहीं है। भारतीय रुपये और विदेशी मुद्रा भंडार पर हाल में आए दबाव के लिए विभिन्न बाहरी और घरेलू कारक जिम्मेदार हैं। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। वित्त राज्यमंत्री चौधरी ने सदन को बताया कि 15 नवंबर, 2024 को समाप्त हफ्ते के दौरान इससे पिछले हफ्ते की तुलना में विदेशी मुद्रा भंडार में 2.63 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि, मंत्री ने कहा कि यह पिछले दो दशकों में फीसदी के लिहाज से सबसे बड़ी गिरावट नहीं है। सबसे बड़ी गिरावट 24 अक्टूबर, 2008 को समाप्त हफ्ते में दर्ज की गई थी, जब वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में 5.65 फीसदी

की गिरावट आई थी। चौधरी ने कहा कि 15 नवंबर, 2024 को समाप्त हफ्ते के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले हफ्ते की तुलना में 2.63 फीसदी की कमी आई। हालांकि, फीसदी के लिहाज से पिछले 20 वर्षों में अब तक की सबसे ज?यादा गिरावट 24 अक्टूबर, 2008 को समाप्त हफ्ते में देखी गई थी। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार और भारतीय रुपये पर हाल ही में आए दबाव के लिए विभिन्न बाहरी और घरेलू कारक जिम्मेदार हैं। इनमें पूंजी का बहिर्वाह, डॉलर इंडेक्स में उतार-चढ़ाव, वैश्विक ब्याज दरों में वृद्धि और कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि शामिल है। वित्त राज्यमंत्री ने कहा कि इन सभी कारकों ने मिलकर भारतीय मुद्रा के लिए चुनौतीपूर्ण माहौल तैयार किया है। भारतीय रुपये का मूल्य बिना किसी निश्चित लक्ष्य या बैंड के बाजार की ताकतों द्वारा निर्धारित किया जाता है। कई कारक विनिमय दर को प्रभावित करते हैं, जैसे पूंजी प्रवाह, डॉलर सूचकांक, ब्याज दर का स्तर, कच्चे तेल की कीमतें और चालू खाता घाटा। मंत्री ने कहा कि भारतीय रुपये का मूल्य बाजार के द्वारा निर्धारित होता है, जिसका कोई लक्ष्य या विशिष्ट स्तर या बैंड नहीं होता है। आरबीआई भी रुपये के मूल्य में अत्यधिक अस्थिरता को रोकने के लिए जरूरी होने पर विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने सदन को बताया कि स्थिति नियंत्रण में है, आरबीआई और अन्य तंत्र अनुचित उतार-चढ़ाव को दूर करने और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए मौजूद हैं।

# जीके एनर्जी ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

**एजेंसी**

**मुंबई/नई दिल्ली।** सौर ऊर्जा चालित कृषिजल पंप प्रणाली प्रदाता जीके एनर्जी लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है।

पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक पुणे स्थित ईपीसी प्लेयर सौर ऊर्जा चालित कृषि जल पंप प्रणाली प्रदाता जीके एनर्जी लिमिटेड इसके जरिए 500 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। कंपनी का प्रस्तावित यह आईपीओ 500 करोड़ रुपये के नए शेयर और 84 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। पुणे स्थित ईपीसी प्लेयर जीके एनर्जी लिमिटेड के

मुताबिक निर्गम से प्राप्त 422.46 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी दीर्घकालिक कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी। इसके अलावा शेष धनराशि का उपयोग कंपनी के सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

## 2030 तक ईवी के लिए सार्वजनिक चार्जिंग मांग को पूरा करने के लिए 16,000 करोड़ की जरूरत

**नई दिल्ली।** 'फिक्की ईवी पब्लिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर रोडमैप 2030' रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक 30 प्रतिशत से अधिक विद्युतीकरण के मिशन को प्राप्त करने के लिए, 2030 तक भारत की सार्वजनिक चार्जिंग मांग को पूरा करने के वास्ते 16,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की आवश्यकता होगी। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि 2015 से 2023-24 तक उनकी ईवी बिक्री के आधार पर विश्लेषण किए गए 700 से अधिक शहरों में से शीर्ष 40 शहरों और 20 राजमार्ग खंडों को सार्वजनिक चार्जिंग बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए प्राथमिकता दी जा सकती है। वर्तमान ईवी अपनाने की दर और अनुकूल राज्य नीतियों को देखते हुए इन शीर्ष 40 शहरों में अगले 3-5 वर्षों में ईवी पैठ बढ़ने की उम्मीद है। और इन 40 प्राथमिकता वाले शहरों को जोड़ने वाले 20 राजमार्ग खंड वाहनों के 50 प्रतिशत यातायात में योगदान करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों के लिए वर्तमान वित्तीय व्यवहार्यता 2 प्रतिशत से कम उपयोग दर पर बनी हुई है और लाभप्रदता और मापनीयता प्राप्त करने के लिए, हमें 2030 तक 8 से10 प्रतिशत उपयोग का लक्ष्य रखना होगा। एक केस स्टडी का हवाला देते हुए, रिपोर्ट ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जर्मनी ने 5 से10 प्रतिशत उपयोग दरों और राजमार्गों पर 16 प्रतिशत से अधिक उपयोग दरों के साथ एक आर्थिक रूप से व्यवहार्य सार्वजनिक चार्जिंग नेटवर्क बनाया है।

# पूरे दिन दबाव में कारोबार करता रहा शेयर बाजार, गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में ज्यादातर समय दबाव बना रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से कुछ देर के लिए बाजार में मजबूती आती हुई नजर आई, लेकिन इसके बाद बिकवाली का जोर बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार दबाव में ही कारोबार करते रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.47 प्रतिशत और निफ्टी 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। पूरे दिन के कारोबार के बाद फार्मास्यूटिकल, रियल्टी और पीएसयू बैंक इंडेक्स में तेजी बनी रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में भी खरीदारी होती रही। दूसरी ओर, आईटी, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके अलावा एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस, टेक और पीएसई इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.73 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद स्मॉल और मिडकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 460.04 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 459.42 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 62 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,240 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,342 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,798 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 100 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,555 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,359 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,196 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर बढ़त के साथ और 24 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 15 शेयर हरे निशान में और 35 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 132.81 अंक की गिरावट के साथ 82,000.31 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 82,116.44 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इसमें गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक 581.84 अंक टूट कर 81,551.28 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि, इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 384.55 अंक की कमजोरी के साथ 81,748.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 14.90 अंक टूट कर 24,753.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक कुछ देर के लिए हरे निशान में 24,781.25 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बनने के कारण इसमें गिरावट आती चली गई।

## पाकिस्तान में रहमान बाबा एक्सप्रेस ट्रेन की तीन बोगी पटरी से उतरीं

एजेंसी

**कराची।** पाकिस्तान में कराची से पेशावर जा रही रहमान बाबा एक्सप्रेस के तीन डिब्बे आज ड्रिघ रोड स्टेशन पर पटरी से उतर गए। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, डिब्बों को जोड़ने वाले कपलर के टूट जाने के कारण यह हादसा हुआ। खबर के अनुसार, सौभाग्य से किसी भी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। हादसे की वजह से रेल सेवाएं बाधित हो गईं। डाउन ट्रैक पर परिचालन दो घंटे बाद शुरू हो पाया। पहली ट्रेन के रूप में पाकिस्तान एक्सप्रेस रवाना हुई। अप ट्रैक पर यातायात सामान्य होने पर समय लगेगा। काराकोरम एक्सप्रेस और बिजनेस एक्सप्रेस सहित कई सेवाएं प्रभावित हुईं।रेल अधिकारियों ने कहा कि ईरान से सल्फर कार्गो लेकर आ रही एक मालगाड़ी को रास्ते में रोक दिया गया है। इसके अतिरिक्त अल्लामा इकबाल एक्सप्रेस और मिल्लत एक्सप्रेस को भी देरी का सामना करना पड़ रहा है।

## नेपाल में आठ घंटे तक बिजली कटौती से उद्योग हलकान, भारत से 650 मेगावाट बिजली देने का आग्रह

**काठमांडू।** नेपाल में बिजली किल्लत शुरू होने के साथ ही 8-8 घंटे तक बिजली कटौती शुरू हो गई है। इसका सबसे अधिक नुकसान उद्योग क्षेत्र को हो रहा है। पीक आवर में बिजली की डिमांड बढ़ने से उद्योग और कल कारखानों में आवश्यकता के मुताबिक बिजली की सप्लाई नहीं होने से मुश्किलें बढ़ गई हैं। नेपाल ने भारत से अगले चार महीनों के लिए 650 मेगावाट बिजली देने का आग्रह किया है। नेपाल के ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का ने कहा कि भारत के ऊर्जा मंत्रालय और भारतीय एक्सचेंज बोर्ड से बिजली सप्लाई करने का आग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि मंगलवार या बुधवार से भारत से बिजली देने (आयात)की अनुमति मांगी गई है। गर्मी के दिनों में अत्यधिक मात्रा में बिजली उत्पादन होने से नेपाल की तरफ से भारत को करीब 950 मेगावाट तक बिजली निर्यात किया जाता है। लेकिन जाड़े के दिनों में नेपाल में बिजली का उत्पादन कम होने से आंतरिक खपत के लिए बिजली की आवश्यकता की पूर्ति नहीं हो पाती है। इसलिए हर वर्ष भारत से 350 से 450 मेगावाट तक की बिजली का आयात किया जाता है। ऊर्जा मंत्री खड़का ने बताया कि पिछले साल तक 450 मेगावाट बिजली आयात करने पर ही नेपाल की आवश्यकता को पूरा किया जा सकता था।

## दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल के खिलाफ महाभियोग मुकदमे की सुनवाई 27 दिसंबर से

**सियोल।** दक्षिण कोरिया के संवैधानिक न्यायालय ने कहा कि राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ महाभियोग मुकदमे की प्रारंभिक सुनवाई 27 दिसंबर को दोपहर दो बजे होगी। इससे पहले कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जसिट्स मून ह्युंग-बे ने सुबह 10 बजे वर्तमान सभी छह जजों की बैठक बुलाई। इस बैठक में पहली सुनवाई 27 दिसंबर को करने का फैसला किया गया। महाभियोग की सुनवाई से पहले यून ने अपनी कानूनी टीम को अंतिम रूप दिया है। टीम का नेतृत्व कोरिया संचार आयोग के पूर्व अध्यक्ष किम होंग-इल करेंगे। द कोरिया टाइम्स समाचार पत्र के अनुसार, प्रारंभिक सुनवाई उद्देश्य मुकदमे के प्रमुख मुद्दों को स्पष्ट करना, साक्ष्य परीक्षण पर चर्चा करना और गवाहों के चयन पर निर्णय लेना है। संवैधानिक न्यायालय के प्रवक्ता ने कहा कि इस दौरान अभियोजन, पुलिस और अन्य अधिकारियों से जांच संबंधी रिकॉर्ड प्राप्त किए जाएंगे। राष्ट्रपति यून को इसकी सूचना दी गई है। संवैधानिक न्यायालय ने नेशनल असेंबली से राष्ट्रपति यून सुक येओल का महाभियोग प्रस्ताव शीर्षक वाला दस्तावेज प्राप्त होने के बाद शनिवार को मुकदमे की प्रक्रिया शुरू की। रविवार को न्यायाधीशों ने अपने आवासों से इसकी समीक्षा की। न्यायालय ने महाभियोग परीक्षण के लिए जस्टिस चेओंग ह्युंग-सिक को पीठासीन न्यायाधीश नियुक्त किया।

## पाकिस्तान में पोलियो उन्मूलन अभियान कार्यकर्ताओं पर हमला, पुलिसकर्मी समेत दो लोगों की मौत

**पेशावर।** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में राष्ट्रव्यापी पोलियो उन्मूलन अभियान का पहला दिन हिंसा की भेंट चढ़ गया। खैबर पख्तूनख्वा में अलग-अलग हमलों में अज्ञात बंदूकधारियों ने पोलियो कार्यकर्ताओं पर गोली चला दी। इस गोलीबारी में दो लोग मारे गए।जियो न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, करक में बांदा दाउद शाह तहसील के शकर खेल इलाके में पोलियो उन्मूलन टीम को सुरक्षा प्रदान कर रहा एक पुलिसकर्मी सशस्त्र हमलावरों की गोली लगने से शहीद हो गया। इस हमले में एक पोलियो कार्यकर्ता भी घायल हो गया। इसके अलावा बन्नू के काला खेल मस्ती खान इलाके में एक पोलियो कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने करक में पोलियो टीम पर हमले को अफसोसजनक बताया और पुलिसकर्मी की शहादत पर दुख व्यक्त किया।पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) की नेता और मुल्क की प्रथम महिला आसिफा भुट्टो जरदारी ने एक्स पोस्ट में पोलियो कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर किए गए हमलों की निंदा की।

# प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने डोमिनिक लेब्लांक को कनाडा का नया वित्त मंत्री नियुक्त किया

एजेंसी

**ओटावा ।** कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री डोमिनिक रहे लेब्लांक ने ओटावा के रिड्यू हॉल में वित्त मंत्री पद की शपथ ली। नए वित्त मंत्री ने समारोह के बाद कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता कनाडाई लोगों के लिए जीवनयापन की लागत कम करना और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ संबंधों को मजबूत करना होगा।

प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के खास सहयोगी लेब्लांक हाल ही में अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ट्रूडो संग रात्रिभोज में शामिल हुए थे। 57 वर्षीय न्यू ब्रंसविक पहली बार 2000 में चुने सांसद गए, वह पूर्व गवर्नर-जनरल रोमियो लेब्लांक के बेटे हैं। लेब्लांक ने कहा कि वह अंतर-सरकारी मामलों के मंत्री का पद अपने पास रखेंगे। इससे पहले क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने ट्रूडो को लिखे एक पत्र में सोमवार सुबह अचानक वित्त मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा था कि वे देश के लिए सर्वोत्तम रास्ते को लेकर असमंजस में हैं। लिबरल सरकार का आर्थिक अपडेट सोमवार दोपहर जारी किया गया, जिससे पता

चला कि घाटा 31 मार्च को समाप्त वित्तीय वर्ष के लक्ष्य से बहुत बड़ा था। अपने त्याग पत्र में फ्रीलैंड ने खुलासा किया कि ट्रूडो ने उन्हें पिछले सप्ताह सूचित किया था कि वह अब उन्हें इस भूमिका में नहीं देखना चाहते हैं और इसके बजाय उन्हें एक और कैबिनेट पद की पेशकश की थी।ट्रूडो ने इस्तीफे पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। ट्रूडो सरकार कथित तौर पर प्रतिक्रिया में बढ़ी हुई सीमा सुरक्षा और निगरानी में निवेश करने की योजना विकसित कर रही है, लेकिन ट्रंप के सख्त रुख का दबाव भी महसूस कर रही है। फ्रीलैंड द्वारा दिए जाने वाले आर्थिक अपडेट में सरकार कनाडा की संसद में सीमा योजना का विवरण पेश करने वाली थी। फ्रीलैंड का भी सरकारी खर्च को लेकर ट्रूडो के साथ मतभेद था और उनके इस्तीफा देने के बाद अपडेट का विवरण सामने आया। ये अपडेट तब आए हैं, जब ट्रूडो की लिबरल पार्टी चुनाव की तैयारी कर रही है जो अगले साल अक्टूबर के अंत से पहले होना चाहिए। ट्रूडो ने कहा है कि उनकी योजना पार्टी के शीर्ष पर बने रहने की है। उदारवादियों के पास पूर्ण बहुमत नहीं है, यदि सहयोगी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी अपना समर्थन खींच लेती है तो इससे किसी भी समय एक नया चुनाव हो सकता है। इस बीच ट्रंप की जीत ने घरेलू चिंताओं को जन्म दिया है कि कनाडा वैश्विक सत्ता-विरोधी रुझानों के अधीन हो सकता है, जो लोकलुभावन पियरे पोइलिव्रे के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी को 2015 के बाद पहली बार सत्ता में देख सकता है।

## बांग्लादेश में नरसंहार के आरोप में पूर्व मंत्रियों, नौकरशाहों, जज समेत 16 को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के समक्ष पेश किया गया

एजेंसी

**ढाका।** बांग्लादेश में जुलाई-अगस्त में सामूहिक विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के आरोपों के सिलसिले में आज 16 आरोपितों को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के समक्ष पेश किया गया। इनमें पूर्व मंत्री, पूर्व नौकरशाह, एक पूर्व न्यायाधीश व अन्य गणमान्य शामिल हैं। इनको अंतरिम सरकार के गठन के बाद गिरफ्तार किया गया था। द डेली स्टार समाचार पत्र ने अपनी खबर में यह जानकारी दी। विवरण के अनुसार, इन 16 में से 12 को सुबह करीब 10:20 बजे अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण लाया गया। इनके नाम हैं-पूर्व कानूनमंत्री अनीसुल हक, पूर्व उद्योगमंत्री अमीर हुसैन अमू, पूर्व खाद्यमंत्री कमरुल इस्लाम, पूर्व नागरिक उड्डयन और पर्यटनमंत्री लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) फारुक खान, पूर्व कृषि मंत्री अब्दुर रज्जाक, पूर्वमंत्री और वर्कर्स पार्टी के अध्यक्ष राशेद खान मेनन, पूर्व राष्ट्रपति हसनुल हक इनु, बिजली, ऊर्जा और खनिज संसाधनों पर पूर्व प्रधानमंत्री के सलाहकार तौफीक-ए-इलाही चौधरी, पूर्व मंत्री कमाल अहमद मजूमदार, पूर्व मंत्री गुलाम दस्तगीर गाजी, पूर्व न्यायाधीश शम्सुद्दीन चौधरी माणिक और पूर्व गृह सचिव जहांगीर आलम।

इसके बाद सुबह करीब 10:40 बजे पूर्व मंत्री दीपू मोनी को अकेले लाया गया। पांच मिनट बाद पूर्व डाक, दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री जुनैद अहमद पलक, पूर्व शिपिंग मंत्री शाजहान खान और हसीना के सलाहकार और व्यवसायी सलमान एफ रहमान को परिसर में लाया गया।

## दक्षिण कोरिया के सेना प्रमुख जनरल पार्क एन-सु गिरफ्तार

एजेंसी

**सियोल।** दक्षिण कोरिया के सेना प्रमुख जनरल पार्क एन-सु को आज गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर अल्पकालिक मार्शल लॉ लागू करने में मुख्य भूमिका निभाने का आरोप है। जनरल पार्क को गिरफ्तार करने की पुष्टि अभियोजकों ने की है। द कोरिया टाइम्स समाचार पत्र की खबर के अनुसार, अभियोजकों ने कहा कि सेना प्रमुख जनरल पार्क एन-सु को मंगलवार को

गिरफ्तार कर लिया गया। पार्क को विद्रोह में मुख्य भूमिका निभाने और सत्ता के दुरुपयोग के आरोप में अदालत से वारंट होने के बाद गिरफ्तार किया गया। इस मामले में इससे पहले पूर्व रक्षामंत्री किम योंग-ह्यून, डिफेंस काउंटर इंटेलिजेंस कमांड के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल येओ इन-ह्युंग, आर्मी स्पेशल वार फेयर कमांड के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल क्वाक जोंग-क्यून और लेफ्टिनेंट जनरल ली कैपिटल डिफेंस कमांड के प्रमुख जिन-वू को गिरफ्तार किया जा चुका है।

# जॉर्जिया के रेस्त्रां में काम करने वाले 11 भारतीयों की मौत

एजेंसी

**त्बिलिसी ।** यूरोपीय देश जॉर्जिया में एक भारतीय रेस्त्रां में काम करने वाले 11 भारतीय लोगों की मौत पर जॉर्जिया स्थित भारतीय दूतावास ने दुख जताया है।सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी एक प्रेस वक्तव्य में जॉर्जिया स्थित भारतीय दूतावास ने लिखा, त्बिलिसी स्थित भारतीय दूतावास जॉर्जिया के शहर गुडौरी में 11 भारतीय नागरिकों की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के बारे में जानकर दुखी है। हम उनके परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। प्रेस वक्तव्य में कहा गया, दूतावास स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि शवों को शीघ्र भारत भेजा जा सके। हम शोक में डूबे परिवारों के संपर्क में हैं और हर संभव सहायता प्रदान

करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।गुडौरी स्थित एक भारतीय रेस्त्रां में भारतीय नागरिकों की मौत हुई। इस घटना की जांच जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय द्वारा की जा रही है।प्रारंभिक रिपोर्टों में कहा गया है कि यह मौत संभवतः कार्बन मोनोऑक्साइड गैस के कारण हुई हैं।ज्ञात हो कि 14 दिसंबर को जॉर्जिया के गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ÷गुडौरी में हुई दुर्घटना के संबंध में आंतरिक मामलों के मंत्रालय के मत्सखेता मटियानेटी पुलिस विभाग के कर्मचारियों ने जॉर्जिया के आपराधिक संहिता के अनुच्छेद 116 के तहत जांच शुरू की है। इसमें लापरवाही के कारण हत्या का आरोप लगाया गया है। बयान में कहा गया है कि रेस्ट एरिया में उसी रेस्त्रां में काम करने वाले 12 लोगों के शव मिले। प्रारंभिक जांच में शरीर पर किसी तरह की चोट या किसी अन्य प्रकार के निशान नहीं पाए गए। प्रारंभिक जांच के अनुसार, बेडरूम के पास बंद जगह में एक बिजली जनरेटर रखा हुआ था, जिसे कल शायद बिजली आपूर्ति बंद होने के बाद चालू किया गया था।

# विस्कॉन्सिन स्कूल में गोलीबारी से मरने वालों की संख्या दो

एजेंसी

**न्यूयॉर्क ।** विस्कॉन्सिन के मैडिसन स्थित एबंडैंट लाइफ क्रिश्चियन स्कूल में हुई गोलीबारी में एक शिक्षक और एक किशोर छात्र की मौत हो गई, जबकि छह छात्र घायल हो गए। पुलिस ने पहले मृतकों की संख्या अधिक बताई थी, लेकिन बाद में इसे सही करार दिया। पुलिस ने बताया कि स्कूल का संदिग्ध किशोर छात्र अब मर चुका है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, संदिग्ध ने हैंडगन का इस्तेमाल किया था। मैडिसन के पुलिस प्रमुख शॉन बार्न्स ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हमले का मकसद अभी तक साफ नहीं है। उन्होंने बताया कि छह घायल छात्रों में से दो की हालत गंभीर है और उन्हें गंभीर चोट आई है, जबकि बाकी चार छात्रों को हल्की चोट आई हैं। अधिकारी छात्रों को उनके माता-पिता से मिलाने की कोशिश कर रहे हैं। एबीसी न्यूज के अनुसार, इस स्कूल में किंडरगार्टन से 12वीं कक्षा तक लगभग 390 छात्र पढ़ाई करते हैं। विस्कॉन्सिन के सार्वजनिक निर्देश अधीक्षक जिल अंडरली ने एक बयान में कहा, यह घटना हमें याद दिलाती है कि हमें अपने बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा

के लिए और मेहनत करनी चाहिए, ताकि ऐसी दुखद घटनाएं फिर से न हों। हम तब तक आराम नहीं करेंगे जब तक हम ऐसे उपाय नहीं ढूंढ लेते, जो हमारे स्कूलों को सुरक्षित बना सकें। विस्कॉन्सिन के गवर्नर टोनी एवर्स ने लिखा, मैं मैडिसन के एबंडैंट लाइफ क्रिश्चियन स्कूल में हुई घटना पर नजर बनाए हुए हूं। हम बच्चों, शिक्षकों और पूरे स्कूल के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। हम और जानकारी का इंतजार कर रहे हैं और पहले उत्तरदाताओं के लिए आभारी हैं, जिन्होंने त्वरित प्रतिक्रिया दी। मैडिसन पुलिस विभाग ने कहा कि वे पीड़ितों के परिवारों से संपर्क करने के बाद ही जानकारी देंगे, इसलिये सोमवार सुबह एक ईसाई स्कूल में गोलीबारी में मारे गए दो लोगों के बारे में जानकारी नहीं दी। संघीय जांच ब्यूरो और शराब, तंबाकू, फायर आर्म्स और विस्फोटक ब्यूरो के अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं और स्थिति की जांच कर रहे हैं।

## कनाडा की डिप्टी पीएम क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने दिया इस्तीफा, ट्रूडो से नीतिगत टकराव बना वजह

एजेंसी

**ओटावा ।** कनाडाई वित्त मंत्री और उप प्रधानमंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने की घोषणा की है। उन्होंने यह कदम प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा उनका मंत्रालय बदलने की बात कहने के बाद उठाया। फ्रीलैंड को 2024 की आर्थिक गिरावट को लेकर बयान देना था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक पत्र में फ्रीलैंड ने खुलासा किया कि कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने उनका विभाग बदल कर दूसरा कैबिनेट पद देने की पेशकश की थी। जिसके बाद उन्होंने ये फैसला लिया। कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो को संबोधित पत्र में फ्रीलैंड ने लिखा, सरकार में सेवा करना, कनाडा और कनाडाई लोगों के लिए काम करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। हमने साथ मिलकर बहुत कुछ हासिल किया है। आपने मुझसे कहा कि आप नहीं चाहते कि मैं अब आपकी वित्त मंत्री रहूं और मुझे कैबिनेट में दूसरा पद देने की पेशकश की। पत्र में आगे कहा गया, इस पर विचार करने के बाद, मैं इस निष्कर्ष पर पहुंची हूं कि मेरे लिए मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना ही

एकमात्र ईमानदारी वाला रास्ता है। एक मंत्री पर प्रधानमंत्री का पूर्ण विश्वास होना चाहिए। तभी वो प्रभावी तरीके से अपनी बात रख सकता है। अपने निर्णय में आपने स्पष्ट कर दिया है कि अब मुझ पर आप विश्वास नहीं रखते और मेरे पास वह अधिकार नहीं है जो इसके साथ आता है। पिछले कुछ हफ्तों से, आप और मैं कनाडा के लिए कुछ फैसलों पर असहमत हुए। उन्होंने आगे कहा कि कनाडा को अमेरिका के 'आक्रामक आर्थिक राष्ट्रवाद' से गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। पत्र में उन्होंने कहा, ÷आज कनाडा एक गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। अमेरिका में आने वाला प्रशासन (ट्रंप प्रशासन) आक्रामक आर्थिक राष्ट्रवाद की नीति अपना रहा है। इस नीति के तहत कनाडा पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी जा रही है। हमें उस खतरे को बेहद गंभीरता से लेने की जरूरत है।

# बांग्लादेश में 2025 के अंत या 2026 तक राष्ट्रीय चुनाव की योजना

एजेंसी

**ढाका।** बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कहा कि अगले राष्ट्रीय चुनाव 2025 के अंत या 2026 की पहली छमाही में कराना संभव हो सकता है। उन्होंने देश के विजय दिवस के अवसर पर स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे राष्ट्र के नाम अपने टेलीविजन संबोधन में कहा, ÷चुनाव 2025 के अंत और 2026 की पहली छमाही के बीच आयोजित किए जा सकते हैं। यूनुस ने कहा कि उन्होंने बार-बार सभी से सभी आवश्यक बड़े सुधारों को पूरा करने के बाद चुनाव कराने की अपील की है। लेकिन, राजनीतिक सहमति के कारण, सटीक मतदाता सूची तैयार करने के आधार पर छोटे सुधारों को पूरा करने के बाद 2025 के अंत तक चुनाव कराना संभव हो सकता है। यूनुस ने चुनाव आयोग

और सभी सामाजिक संस्थाओं और राजनीतिक दलों से इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रम चलाने की अपील की। उन्होंने ऐसी परंपरा बनाने का सुझाव दिया कि स्थानीय निकाय चुनावों सहित सभी चुनावों में पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं के लिए सभी केंद्रों पर लगभग 100 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित किया जाए।बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार ने कहा, यदि हम यह सुनिश्चित कर सकें तो भविष्य में कोई भी सरकार लोगों के मताधिकार को छीनने का साहस नहीं कर सकेगी।बांग्लादेशी अर्थशास्त्री यूनुस ने 8 अगस्त को देश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली। यूनुस की नियुक्ति का फैसला बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन, तीनों सेनाओं के प्रमुखों और भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के संयोजकों द्वारा लिया गया। शहाबुद्दीन ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद राजधानी ढाका में राष्ट्रपति भवन में यूनुस और अंतरिम सरकार के अन्य सदस्यों को शपथ दिलाई थी। 76 वर्षीय हसीना ने इस साल जनवरी में देश के प्रधानमंत्री के रूप में अपने चौथे लगातार पांच साल के कार्यकाल के लिए पदभार संभाला था, जब उनकी सत्तारूढ़ बांग्लादेश अवामी लीग (एएल) पार्टी ने संसदीय चुनावों में भारी जीत हासिल की थी।

## तख्तापलट की साजिश रचने वालों को मिलेगी कड़ी सजा, अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद राष्ट्रपति का ऐलान

एजेंसी

**साओ पाउलो ।** ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डा सिल्वा ब्रेन सर्जरी के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज हो गए हैं। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और 2022 में तख्तापलट की कोशिश में शामिल लोगों को 'कड़ी सजा' देने का ऐलान किया है। लूला के डिस्चार्ज होने के तुरंत बाद सिरियो लिबनेस अस्पताल में यह प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित हुई जो पिछले सप्ताह हुई सर्जरी के बाद से उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति थी। उनकी मेडिकल टीम और प्रथम महिला रोसांगेला डा सिल्वा उनके साथ मौजूद थीं। लूला ने हिरासत में लिए गए रिटायर जनरल वाल्टर ब्रागा नेट्टो का जिक्र करते हुए कहा, मेरा मानना ??है कि जनरल ब्रागा को निर्दोष होने का पूरा अधिकार है।' ब्रागा ने पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो के अधीन रक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया था। जांच में हस्तक्षेप करने के प्रयास के आरोपी ब्रागा नेट्टो को सुप्रीम फेडरल कोर्ट के

आदेश के बाद गिरफ्तार कर किया गया। फेडकरल पुलिस के अनुसार, बोल्सोनारो कथित तौर पर 2022 में लूला को राष्ट्रपति पद संभालने से रोकने के लिए तख्तापलट की योजना बना रहे थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार लूला ने कहा कि राष्ट्रपति की हत्या की साजिश में उच्च पदस्थ सैन्य अधिकारियों का शामिल होना अस्वीकार्य है। छुट्टी मिलने के बाद लूला गुरुवार तक साओ पाओलो स्थित अपने आवास पर काम करेंगे। उसके बाद उन्हें राजधानी ब्रासीलिया की यात्रा के लिए परमिट प्राप्त करने के लिए सीएटी स्कैन कराना होगा, ताकि वे प्लानाल्टो पैलेस में अपना काम फिर से शुरू कर सकें।79 वर्षीय लूला ने गंभीर सिरदर्द की शिकायत की थी, जब उनके मस्तिष्क और मेनिन्जियल झिल्ली के बीच हेमेटोमा पाया गया तो उन्हें इमरजेंसी सर्जरी के लिए भर्ती किया गया था। डॉक्टरों ने पुष्टि की कि हेमेटोमा से कोई चोट या अन्य बीमारियां नहीं हुई हैं। यह मामला अक्टूबर महीने के अंत में राष्ट्रपति निवास, पैलेसियो डा अलवोराडा में लूला के गिरने से जुड़ा था, जब उनके सिर के पिछले हिस्से में चोट लगी थी ।

## जर्मनी के ओलाफ़ स्कोल्ज़ विश्वास मत हार गए

**बर्लिन।** चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ जर्मन संसद में विश्वास मत हार गए हैं। जिसके बाद यूरोपीय संघ के सबसे अधिक आबादी वाले सदस्य और सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को फरवरी में जल्दी चुनाव कराने की नौबत आ गई। स्कोल्ज़ ने 733 सीटों वाले निचले सदन या बुंडेस्टाग में 207 सांसदों का समर्थन हासिल किया, जबकि 394 ने उनके खिलाफ मतदान किया। वहीं 116 सांसद अनुपस्थित रहे। इस तरह चांसलर ओलाफ जीत के लिए जरूरी 367 के बहुमत से काफी पीछे रह गए। बीते 06 नवंबर को चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ एक अलोकप्रिय और कुख्यात तीन-पक्षीय गठबंधन के पतन के बाद से एक अल्पमत सरकार का नेतृत्व कर रहे थे। उन्होंने जर्मनी की स्थिर अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के विवाद के बीच अपनी सरकार के वित्त मंत्री को निकाल दिया था। तब कई प्रमुख दलों के नेता इस बात पर सहमत हुए कि संसदीय चुनाव मूल योजना से सात महीने पहले 23 फरवरी को होना चाहिए। यहां विश्वास मत की आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी का संविधान बुंडेस्टाग को खुद को भंग करने की अनुमति नहीं देता है। ऐसे में जब चांसलर विश्वास मत हार गए हैं तो अब राष्ट्रपति फ्रैंक-वाल्टर स्टीनमीयर को यह तय करना है कि संसद को भंग कर चुनाव बुलाया जाए या नहीं। स्टीनमीयर के पास यह निर्णय लेने के लिए 21 दिन है और चुनाव के नियोजित समय के कारण, क्रिसमस के बाद ऐसा करने की उम्मीद है।

# पाकिस्तान में पुलिस चेक पोस्ट पर आतंकी हमला, एएसआई और कांस्टेबल की मौत

एजेंसी

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आज तड़के सिंधु नदी के पास गुननगर काराकोरम राजमार्ग पर एक पुलिस चेक पोस्ट पर हुए आतंकी हमले में दो पुलिसकर्मियों की जान चली गई। जान गंवाने वालों में एक सहायक उप निरीक्षक और एक हेड कांस्टेबल है। इस हमले में तीन अन्य पुलिस कर्मचारी घायल हो गए, जिन्हें बट्टग्राम के जिला मुख्यालय अस्पताल पहुंचाया गया है। डॉन समाचार पत्र के अनुसार पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह हमला खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शांगला जिले की चकेसर तहसील के गुननगर इलाके की पुलिस चेकपोस्ट पर किया गया। आतंकवादियों के हमले में दो पुलिसकर्मी शहीद हो गए, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी)

के 2022 में सरकार के साथ हुए युद्धविराम समझौते को तोड़ने के बाद हमलों में तेजी आई है। आतंकवादी बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में लगातार पुलिस और सुरक्षा बलों को निशाना बना रहे हैं। आंतरिक मंत्रालय के अनुसार पिछले 10 महीनों में 1,566 आतंकवादी घटनाएं हुई हैं। इनमें अकेले खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 948 हमले हुए। इनमें 924 जवान और अधिकारी मारे गए। शांगला जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) के प्रवक्ता उमर रहमान के अनुसार गुननगर चेक पोस्ट हमले में अलपुरी के सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद हसन और हेड कांस्टेबल निसार अहमद की मौत हुई, जबकि तीन कांस्टेबल घायल हो गए। रहमान ने कहा कि चेक पोस्ट पर रॉकेट लॉन्चर और हथगोले फेंके गए। इससे चेक पोस्ट की दीवारें ढह गईं और एक कांस्टेबल नीचे दब गया। घायल पुलिसकर्मियों को बट्टग्राम के जिला मुख्यालय अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि हमले के बाद दूसरे जिलों से पुलिस बल बुलाया गया और इलाके की घेराबंदी की गई है। पिछले तीन दिनों में यह दूसरा आतंकी हमला है। इससे पहले पूरन तहसील में मुस्लिम कांडाव चेक पोस्ट पर हुए हमले में एक नागरिक की मौत हो गई थी और दो पुलिसकर्मी घायल हो गए थे।

# गोबर की लकड़ी बनाने का व्यवसाय

## गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय की मांग

गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय की मांग देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी बहुत अधिक होती हैं. दरअसल पेड़ों की लकड़ी का इस्तेमाल करना एक तरीके से पर्यावरण का नुकसान करना ही होता है. इसलिए पेड़ों को काटना गैर कानूनी माना जाता है. ऐसे में कई जगहों पर जैसे बर्फीले क्षेत्रों में आग जलाने के लिए इसकी मांग बहुत अधिक होती है. साथ ही हमारे देश में धार्मिक अनुष्ठान जैसे पूजा पाठ, हवन, अंतिम संस्कार एवं यज्ञ में अग्नि प्रज्वलित करने आदि में भी गोबर से बनी इन लकड़ियों के अलावा गोबर के उपले यानि कंडे का इस्तेमाल भी किया जाता हैं, इसलिए उनमें भी इसकी मांग

बहुत अधिक होती है. इन सभी के अलावा गोबर की लकड़ी ईट के भट्टे बनाने में भी उपयोग में लाई जाती है. अत: आपको इस व्यवसाय को शुरू करने से लाभ की प्राप्ति हो सकती है. यह तकनीक पर्यावरण प्रदूषण को कण्ट्रोल करने में सहायक भी सिद्ध हो सकती है.

### ⏩ गोबर की लकड़ी बनाने का व्यवसाय, विधि, तरीका- मशीनरी, कैसे बनाएं कीमत, प्लांट, लाभ ?

यदि आप शुरू करना चाहते हैं कोई व्यवसाय किन्तु आपके पास ज्यादा पैसे नहीं होने की वजह से यह नहीं कर पा रहे हैं, तो आज हम आपके सामने एक बेहतरीन व्यवसाय की जानकारी लेकर आये हैं, जिसका नाम है गोबर की लकड़ी बनाने का व्यवसाय. अब आप ये सोच रहे होंगे कि ये कैसा व्यवसाय है. तो हम आपको बता दें कि ये एक ऐसा व्यवसाय है, जिसकी बाजार में बहुत अधिक मांग होती हैं किन्तु इसमें लागत बहुत कम लगती है. आप इससे प्रतिमाह 50 हजार रूपये तक की कमाई कर सकते हैं. तो फिर देर किस बात की हैं शुरू करें व्यवसाय और कमायें लाखों रूपये प्रतिवष. 'जी हाँ यदि आप भी इस व्यवसाय को शुरू कर लाभ कमाने में रुचि रखते हैं तो जानें इसकी पूरी प्रक्रिया.

### ⏩ गोबर की लकड़ी बनाने के लिए मशीनरी

गोबर की लकड़ी बनाने के लिए स्वचालित एक मशीनरी की आवश्यकता होती हैं. जोकि आपको 45 हजार रूपये से लेकर 1 लाख रूपये तक के बीच की कीमत में उपलब्ध हो जाती है. यदि आपके घर में इतनी जगह है तो, यह मशीनरी लगाकर आप इस व्यवसाय को कम निवेश में अपने घर से भी शुरू कर सकते हैं. इस मशीन का इस्तेमाल करके 1 किलोग्राम गोबर की लकड़ी कुछ ही सेकेंड में बहुत ही आसानी से बनकर तैयार हो जाती है. आपको बता दें कि गोबर की लकड़ी के व्यवसाय में उपयोग होने वाली मशीनरी गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने में एक अहम भूमिका निभाती है.

### ⏩ गोबर की लकड़ी कैसे बनाएं

गोबर की लकड़ी बनाने के लिए आपको मशीनरी की आवश्यकता होती हैं. जिसमें आपको गाय के गोबर, सूखा हुआ भूसा एवं घास को डालना होता है. और इसके बाद स्वचालित मशीन को ऑन कर दिया जाता हैं, जिससे गोबर की लकड़ी आसानी से बन कर तैयार हो जाती हैं. इसके बाद इसे धूप में भी सुखाया जाता है. जब यह अच्छी तरह से सूख जाएँ, तो फिर यह बाजार में बेचने योग्य बन जाती है. इसके साथ ही आप गाय के गोबर से उपले या कंडे का भी निर्माण कर सकते हैं यह भी काफी उपयोग में लाया जाता है.

### ⏩ गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय के लिए आवश्यक लाइसेंस

गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय को शुरू करने के लिए आपको कुछ लाइसेंस की आवश्यकता हो सकती है जिनकी जानकारी इस प्रकार हैं –

**ट्रेड लाइसेंस** जब आप किसी व्यवसाय को शुरू करने के लिये सरकार से अनुमति लेते हैं, तो आपको ट्रैड लाइसेंस प्राप्त करना होता है. अत: गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय के लिए ट्रैड लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आपको आवेदन करना होगा.

एमएसएमई रजिस्ट्रेशन :– यदि आप अपने इस व्यवसाय को एमएसएमई के तहत रजिस्टर करते हैं, तो आपको इससे अपने व्यवसाय को शुरू करने के लिए एवं इसमें उपयोग होने की आवश्यक मशीनरी खरीदने के लिए लोन की सुविधा भी आसानी से प्राप्त हो सकती हैं. इसलिए आप एमएसएमई रजिस्ट्रेशन कराना न भूलें.

**⏩ प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड से एनओसी** – आप चूकी गोबर की लकड़ी बनाने के लिए मशीनरी का इस्तेमाल कर रहे हैं. इसलिए आपको प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड से एनओसी प्राप्त करनी होगी, जोकि नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट होता है.

### ⏩ गोबर की लकड़ी बनाने का व्यवसाय शुरू करने के लिए स्थान का चयन

गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय के लिए आपको ऐसे स्थान की आवश्यकता होगी, जहाँ आप अपने व्यवसाय की मशीनरी को अच्छे से स्थापित कर सकें. और साथ ही बनने वाली गोबर की लकड़ी को धूप में सूखाने जितनी जगह का होना भी आवश्यक है. इसके अलावा आप अपने इस व्यवसाय को स्थापित करने के लिए ऐसे स्थान का चयन कर सकते हैं जोकि शहर से काफी दूर हो. और लोगों को इससे किसी प्रकार की परेशानी न हो.

### ⏩ गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय में कुल लागत

गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय की शुरूआत करते समय एवं मशीनरी खरीदने के लिए कुल मिलाकर 50 हजार रूपये से लेकर 1 लाख रूपये तक की लागत की आवश्यकता पड़ सकती हैं. यदि आपके पास इतनी पूँजी नहीं है तो आपको चिंता करने की बिलकुल भी जरुरत नहीं है. क्योकि हमारे देश की सरकार किसी भी छोटे व्यवसाय को शुरू करने के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत बहुत ही कम ब्याज दर में लोन प्रदान कर रही है. अत: आप भी सरकार द्वारा दी जाने वाली योजनाओं का लाभ उठा कर एवं इस व्यवसाय में पैसा लगाकर अच्छा खासा मुनाफा कमा सकते हैं.

### ⏩ गोबर की लकड़ी की पैकेजिंग

गोबर की लकड़ी बनने के बाद इसके लिए कोई भी विशेष पैकेजिंग की आवश्यकता नहीं होती है. इसे आप ऐसे ही यानि खुले में ही प्रति किलोग्राम के रूप में बेच सकते हैं. या आप चाहे हैं तो 1 किलोग्राम, 3 किलोग्राम, 5 किलोग्राम एवं 10 किलोग्राम आदि के छोटे – छोटे पैकेट बनाकर भी बाजार में बेच सकते हैं.

### ⏩ गोबर की लकड़ी को कहां बेचें

गोबर की लकड़ी बन जाने के बाद अब बारी आती हैं कि आप इन्हें कहां बेचेंगे, तो हम आपको बता दें कि जिन जगहों पर इसकी सबसे ज्यादा मांग होती हैं, वहां पर इसे बेचना सबसे ज्यादा लाभप्रद हो सकता है. जैसे बर्फीले इलाकों में, धार्मिक स्थानों में, लोगों द्वारा मांग किये जाने पर उनके घरों में एवं ईट का भट्टा बनाने में आदि. यहाँ से आप ऑर्डर लेकर उन्हें अपने उत्पादों को बेच सकते हैं. आप चाहे तो ऑनलाइन भी गोबर की लकड़ी बेच सकते हैं. या फिर ऐसी कंपनियों से सम्पर्क कर सकते हैं जो इस व्यवसाय को करती है. अत: इस व्यवसाय को सुचारू रूप से चलाकर अधिक लाभ कमाया जा सकता है.

### ⏩ गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय की मार्केटिंग

गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय की मार्केटिंग करने से पहले आपको अपने व्यवसाय को एक नाम देना होगा. उस नाम के अनुसार ही आप उसकी मार्केटिंग कर सकते हैं.

मार्केटिंग करने के लिए आप कुछ पैमप्लेट छपवाकर बटवा सकते हैं. साथ ही जहाँ पर इसकी मांग ज्यादा होती हैं वहां पर आप सैंपल भेज सकते हैं. लोगों द्वारा इसे पसंद किये जाने के बाद वे आपको ऑर्डर देंगे. और आप भी उनसे ऑर्डर लेकर उन्हें उच्च गुणवत्ता वाला प्रोडक्ट उपलब्ध कराकर मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं.

### ⏩ गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय से होने वाला मुनाफा

**गोबर की लकड़ी 600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बिकती है.**

इसलिए इसके व्यवसाय की जब आप शुरुआत करते हैं तो आपको इससे केवल 10 हजार रूपये तक की ही आमदनी हो सकती है. लेकिन जब यह अच्छे से चलने लग जाएँ, तो यही व्यवसाय आपको आधे साल में ही 50 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने का मौका प्रदान करेगा.

क्योकि गोबर के द्वारा निर्मित की गई लकड़ियों की कीमत प्राकृतिक लकड़ियों की तुलना में काफी कम होती हैं. यह व्यवसाय सबसे ज्यादा प्रॉफिट देने वाला व्यवसाय साबित हो सकता है.

अत: इस व्यवसाय की मांग बहुत अधिक और लागत कम लगने की वजह से आपका यह व्यवसाय बहुत जल्दी बढ़ सकता है. और आपको इससे अधिक मुनाफा भी मिल सकता है.

### ⏩ गोबर की लकड़ी का उपयोग किस काम में और क्यों किया जाता है ?

गोबर की लकड़ी का इस्तेमाल आग जलाने के लिए लिया जाता हैं, जोकि प्रकृति को नुकसान नहीं पहुंचाता है.

### ⏩ गोबर की लकड़ी की मांग सबसे ज्यादा कहां होती है ?

गोबर की लकड़ी की मांग बर्फीले इलाकों में आग जलाने के लिए, धार्मिक स्थानों में विभिन्न अनुष्ठान करने जैसे हवन, यज्ञ आदि में अग्नि प्रज्वलित करने के लिए बहुत ज्यादा होती है.

## गोबर की लकड़ी बनाने के लिए आवश्यक कच्चा माल

गोबर की लकड़ी बनाने के लिए सबसे आवश्यक कच्चा माल है गोबर, जो कि आपको गाय के माध्यम से प्राप्त हो सकता है. इसके अलावा आपको इसके लिए सूखा भूसा एवं घास भी चाहिए होगा. यह सभी कच्चा माल आपको बहुत ही आसानी से गांव से प्राप्त हो सकता है. इन कच्चे माल के लिए आप कुछ गाय भी रख सकते हैं, जिससे आपको आवश्यक सामग्री के लिए कहीं जाने की आवश्यकता नहीं होगी.

### गोबर की लकड़ी बनाने के लिए मशीनरी कहां से प्राप्त कर सकते हैं ?

**गोबर की लकड़ी बनाने के लिए उपयोग में लाई जाने वाली मशीनरी को आप ऑनलाइन इंडिया मार्ट जैसी वेबसाइट के माध्यम से खरीद सकते हैं. इसके अलावा यह बाजार में भी आसानी से उपलब्ध हो जाती है. यह कहां से प्राप्त हो सकती हैं, यह आप इस व्यवसाय को करने वाले कुछ लोगों से सम्पर्क करके भी पता कर सकते हैं.**

**गोबर की लकड़ी की कीमत क्या है ?**

**गोबर की लकड़ी की कीमत की बात करें तो यह बाजार में 600 रूपये प्रति क्विंटल में बिकती हैं.**

**गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय में कितना मुनाफा हो सकता है ?**

**गोबर की लकड़ी बनाने के लिए व्यवसाय से आप प्रतिमाह 50 हजार रूपये की कमाई कर सकते हैं, और आने वाले कुछ साल में यह आंकड़ा लाखों में भी पहुँच सकता है.**

# कृषि कार्य में उपयोगी आधुनिक विधियाँ

**सी एम शर्मा**

आधुनिक कृषि प्रणाली ने समूचे देश में अनाज के उत्पादन की वृद्धि में भारी योगदान दिया है। आधुनिक कृषि प्रणाली के प्रयोग से देश अनाज के उत्पादन में पर्याप्तता प्राप्त कर सकता है। कृषि कार्य में उपयोगी आधुनिक विधियाँ हैं- बेहतर बीजों का प्रयोग, उचित सिंचाई तथा रासायनिक खादों के प्रयोग से पौधों को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वों की आपूर्ति व कीटनाशकों के प्रयोग से पौधों को लगने वाली बीमारियों व कीटाणुओं का नियंत्रण। आधुनिक कृषि में ट्रैक्टर, कम्बाइन हार्वेस्टर व सिंचाई के लिये ट्यूबवेलों द्वारा आधुनिक जोताई (खेती) की विधियों का प्रयोग किया है। उच्च उत्पादकता वाले बीजों के माध्यम से खाद्य-उत्पादन में भारी वृद्धि को हरित क्रांति कहा गया है। आधुनिक कृषि का मुख्य उद्देश्य अच्छी

फसल के साथ-साथ वायु, जल, भूमि व मानवीय स्वास्थ्य का संरक्षण भी होना चाहिए।

'हरित क्रांति' शब्द का अर्थ है नए पौधों की किस्मों के विकास द्वारा उत्पादन को कई गुना बढ़ाने के उपाय। उच्च उत्पादन वाली varieties, HYVs) धान व गेहूँ की किस्में हरित क्रांति के मुख्य तत्व रहे हैं। मार्च 1968 में

अमेरिकी अन्तरराष्ट्रीय विकास एजेंसी International Development, USAID) के संचालक विलियम गैंड ने पहली बार ''हरित क्रांति'' शब्दों का प्रयोग किया था। इस शब्द का प्रयोग नई तकनीकों द्वारा चावल, गैहूँ, मक्के और अन्य पौधों की कई गुना विकसित हुई उत्पादकता के संदर्भ में किया गया था। हालाँकि 'हरित क्रांति' नामक शब्दों का प्रयोग मुख्यत: गेहूँ और धान के संदर्भ में किया जाता है, परन्तु कुछ कृषि विशेषज्ञों ने मक्का, सोयाबीन व गन्ने जैसे उन अन्य

अनाजों को भी इस श्रेणी में शामिल किया है, जिनके उत्पादन में, नई

**तकनीकों के प्रयोगों द्वारा, कई गुणा वृद्धि हुई है। जिनके द्वारा हरित क्रांति संभव हुई है, वे इस प्रकार है**

– फसलों के उच्च उत्पादकता वाले पौधों का प्रवेशन ।

– बहु-कृषि (सम्मिलित रूप से पौधे उगाने की प्रक्रिया), बेहतर सिंचाई व

पर्याप्त मात्रा में खादों की आपूर्ति।

– बीमारियों व कीटाणुओं के विरुद्ध पौधों के संरक्षण की विधियों का प्रयोग।

– वैज्ञानिक कृषि की तकनीकों का अनुसंधान व उनका खेतों से ग्रामीण कृषकोंतक स्थानान्तरण।

– खेतों से बाजार तक फसल के यातायात की बेहतर व्यवस्था करना।

आधुनिक तकनीकों के प्रयोग द्वारा पौधों (विशेषकर अनाज) के उत्पादन में

महत्त्वपूर्ण वृद्धि को हरित क्रांति नाम दिया गया है।

उदाहरण के लिये, जब एक मेक्सिकन गेहूँ की किस्म (ऊँची उत्पादकता एवं

अच्छी तरह सिंचाई किए हुए) का उतने ही अच्छे स्तर की भारत गेहूँ की किस्म

(रोग की प्रतिरोधक क्षमता एवं अच्छी गुणवत्ता वाला अनाज) से आधुनिक तकनीक द्वारा संकरण किया गया तब एक उच्च उत्पादकता वाले और बीमारी से लड़ने में सक्षम गेहूँ की किस्म की उत्पत्ति हुई। कुछ मुख्य 'क्रांतिकारी' किस्मों के नाम हैं- 'कल्याण सोना', 'सोनालिका', और 'शर्बती सोनोरा' इत्यादि। भारत में उच्च उत्पादन की किस्मों के प्रयोग का आरम्भ कृषि के क्षेत्र में विकसित देशों के मुकाबले, हमारी औसत राष्ट्रीय उत्पादकता की दर केवल 800 किलो प्रति हेक्टेयर के स्तर की ही थी, जो कि विकसित देशों की तुलना में बहुत कम थी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के प्राक्तन डायरेक्टर जनरल एम एस स्वामीनाथन ने पौधों की उत्पादकता के ठहराव व पौधों के उत्पादन की अस्थिरता का गहरा विश्लेषण किया तथा उन कारणों की तह तक पहुँचने की कोशिश की, जिनके कारणवश यह स्थिति विद्यमान थी। उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला कि उस समय प्रयोग में आने वाली लम्बी किस्मों की शारीरिक बनावट ही अधिक उत्पादन के मार्ग में एक बाधा सिद्ध हो रही थी। उन्होंने उक्त पौधों की किस्मों की उत्पत्ति की प्रक्रिया की ही जननिक कार्यशैलियों के पुन: निर्देशन पर जोर दिया।

सन 1970-80 के दशक के दौरान, गेहूँ की जननिक प्रक्रियाओं के माध्यम से नए किस्म के बीजों वाले, उच्च उत्पादकता के छोटे आकार के गेहूँ की किस्मों का विकास किया गया। इसी दौरान कुछ महत्त्वपूर्ण किस्में, 'कल्याण सोना', 'शर्बती सोनारा', 'सोनालिका' जैसी ऊँची उत्पादकता की किस्मों का विकास हुआ जिन्होंने खादों और सिंचाई की ओर अच्छा रुख अपनाया। भारतीय जननिक वैज्ञानिकों के अनुरोध पर, सन 1963 में भारत सरकार ने मैक्सिको देश से प्रोफेसर नॉर्मन-ई-बोरलौग को आमंत्रित किया ताकि पौधों की बौनी (कम आकार) किस्मों के उत्पादन की संभावनाओं का वे भारत वर्ष में मूल्यांकन करें। भारत के कई क्षेत्रों का दौरा करने के पश्चात, उन्होंने भारत में मैक्सिकी उद्भव के ही छोटे आकार के गेहूँ की किस्मों को बोने का प्रस्ताव रखा। वे इस निष्कर्ष पर इस कारणवश पहुँचे क्योंकि मैक्सिको का मौसम व भूमि दोनों तुलनात्मक रूप से एक समान थीं। उनके सुझाव पर, लेरमा-राजो व सोनोरा-64 नामक दो किस्मों का चयन किया गया और उन्हें हमारे सींचे गए खेतों में बोने के लिये प्रयुक्त किया गया। इन किस्मों के प्रयोग से गेहूँ की उत्पादकता कई गुना बढ़ गयी और हमारे गेहूँ के निर्यात में क्रांति आ गई। डॉ. बोरलॉग, मैक्सिको सरकार तथा रॉकफेलेर फाउंडेशन की सहकारी योजना के अन्तर्गत गेहूँ अनुसंधान व विकास कार्यक्रम के मुखिया के रूप में जुड़े। सन 1966 में उनकी गेहूँ के विकास की गुपचुप क्रांति ने संसार भर का ध्यान आकर्षित किया तथा मैक्सिको में ही अन्तरराष्ट्रीय गेहूँ व मक्के के विकास किया गया। सन 1970 में उन्हें 'हरित क्रांति' लाने के लिये नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी हरित क्रांति ने भारत की इतनी मदद की थी। डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन एक बेहतरीन उत्परिवर्तन जननिक वैज्ञानिक रहे हैं।

इन्होंने सन 1967 में उगाने के लिये 'शर्बती सोनारा' नामक किस्म को निर्मित किया।

# वर्मीकम्पोस्ट उपयोग करने की विधि

वर्मीकम्पोसट केंचुओं (मंतजीवतउे ध् गण्डोओं) के माध्यम से एग्रोवेस्ट या कूड़ाकरकट को पौंधों की खुराक में बदलने का एक तरीका है। केंचुए (गण्डोए) इसको खाकर पचाकर जो निकालते हैं, उसी तत्व को वर्मीकम्पोस्ट कहते हैं। वर्मीकम्पोस्ट में पौधों को बड़े (मैक्रो) व छोटे (माइक्रो) पोशक तत्वों व पौधों को सुरक्षा प्रदान करने वाले एजेण्ट व बढ़ोश्री को प्रोत्साहन देने वाले तत्व भी काफी मात्रा में पाए जाते हैं। सभी किसान इस खाद को अपने ही खेतों में पैदा होने वाली घास-फूस, पश्रे, टहनियाँ, बचा-खुचा चारा, गोबर, इत्यादि प्रयोग करे बना सकते हैं।

वर्मीकम्पोस्ट के लाभ:

सभी प्रकार की फसलों की कटाई, छटाई से बचा हुआ षेश व घर का कूड़ा करकट आसानी से एक अच्छी खाद में बदला जा सकता है।

यह मिट्टी की बनावट (फिज़ीकल) व रसायनिक (कैमिकल) दषा में सुधार लाती है।

इसमें पानी को सोखने की अच्छी ताकत होती है। मिट्टी में नमीं बनी रहती है।

दानेदार होने के कारण यह कभी भी किसी भी समय फसल में उपयोग की जा सकती है।

इस खाद को तैयार करने में केवल 40 से 60 दिन ही लगते हैं।

वर्मीकम्पोस्ट दूसरी केमिकल खादों के मुकाबले में आधे से भी कम कीमत पर तैयार की जा सकती है।

देसी खाद के मुकाबले में इसे हमें एक चौथाई मात्रा में डालने से ही काम चल जाता है।

वर्मीकम्पोस्ट उपयोग करने की विधि:

वर्मीकम्पोस्ट किसी भी फसल में प्रयोग की जा सकती है। इसको खेत को मिट्टी में डालकर आसानी से बिखेरा जा सकता है। इसे खेत की तैयारी के समय कुल मात्रा का आधा हिस्सा डालकर और फिर बाद में बची हुई मात्रा के दो हिस्से करके, एक पौध लगाने के बाद या दो पश्रे आने पर और दूसरी बार फूल आने पर बिखेरी जा सकती है।

वर्मीकम्पोस्ट की मात्रा

1. धान, गेहूँ, ज्वार, बाजरा, मक्का, दालें 1000 किलोग्राम एकड़

**वर्मीकम्पोस्ट ( केंचुओं की खाद ) बनाने का तरीका:**

वर्मीकम्पोस्ट बनाने के लिए एक विषेश प्रकार का गड्ढा तैयार कर उसपर षैड डालना चाहिए। यह गड्ढा ज़मीन से थोड़ी ऊँची सतह पर बनाना चाहिए ताकि बारिष का पानी इसमें भरने न पाए। यह गड्ढा 2-3 मीटर लम्बा, एक मीटर चौड़ा और एक मीटर गहरा होना चाहिए।

ड्ढे की निचली तह में 15 सेंटीमीटर तक छोटे कंकर-पत्थर डालकर भरें।

दूसरी ऊपर की तह में 15 सेंटीमीटर रेत भरें।

तीसरी तह में 10 सेंटीमीटर खेत की मिट्टी भरें।

इस तीसरी त हके ऊपर 30 केंचुए प्रति मुरब्बा फुट के हिसाब से डालें।

इसके ऊपर फिर 5 सेंटीमीटर खेत की मिट्टी डालें।

इसके ऊपर 10 सेंटीमीटर धान का भूसा, लकड़ी का बूरा या हरी नर्म पश्रियाँ 40 प्रतिषत गाय के गोबर साथ मिलाकर डालें।

सबसे ऊपर की तह 40 सेंटीमीटर में हरी पश्रियाँ, सूखी पश्रियाँ, कूड़ा करकट (जोकि गलने सड़ने वाला हो) अण्डे के छिल्के आदि डालकर बोरी से ढक दें।

पानी का छिड़काव करके नमीं बनाए रखें।

तीस दिनों के बाद हरी पश्री या किसी भी प्रकार का बचा हुआ भूसा, चारा, रसोई का कूड़ा, भोजन पदार्थ आदि मिलकार डालें।

केंचुओं को बिना तंग किए, किसी लकड़ी के साथ पलटा दे ताकि गड्ढे में नीचे के पदार्थ ऊपर वाले केंचुओं के पास खाने के लिए पहुँच जाएं।

60-70 दिनों के बीच आपकी केंचुओं द्वारा बनाई गई खाद खेतों में प्रयोग करने के लिए तैयार हो जाएगी।

60 दिन के बाद पानी का छिड़काव बन्द कर दें।

खाद को (2.5 मिलीमीटर की छाननी से) छान कर छांव में सुखाकर बोरियों में भर लें।

(6मी ग 1मी ग 1मी) के आकार के दो गड्ढे एक टन केंचुएं की खाद बनाने के लिए पर्याप्त हैं।

सावधानियाँ:

केंचुओं को ज्यादा सर्दी और कोहरे से बचाऐं।

केंचुएं के लिए उनके खाने के लिए पूरी मात्रा में गोबर, पश्रे, उपलब्ध होने चाहिए।